ॐ श्री सदगुरू देवाय नमः ॐ ॐ ओ३म् ॐ ॐ जय माता दी ॐ
ॐ सीताराम बाबा जी ॐ ॐ जय बाबा की ॐ ॐ श्याम बाबा ॐ ॐ
ॐ ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा !! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा !! ॐ

उल्लंघ्य सिन्धोः सलिलं सलीलं,यः शोकवहि जनकात्मजाया: आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारुत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये

केंद्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त

हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 26 ♦अंक 103 ♦पृष्ठ 8 ♦रुद्रपुर (ऊधमसिंहनगर) ♦रविवार ♦18 जनवरी 2026 ♦मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com 9897427585 UTTARANCHAL DARPAN www.uttaranchaldarpan.in

धर्मनगरी में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

मौनी अमावस्या पर लाखों श्रद्धालुओं ने गंगा में लगाई आस्था की डुबकी

हरिद्वार (उद संवाददाता)। मौनी अमावस्या के पावन पर्व पर शनिवार को धर्मनगरी हरिद्वार में आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। ब्रह्ममुहूर्त से ही हर की पैड़ी सहित विभिन्न गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था, दिन भर जारी रहा। कड़ाके की ठंड और शीत लहर के बावजूद श्रद्धालुओं के उत्साह में कोई कमी नजर नहीं आई और लाखों की संख्या में भक्तों ने गंगा में पावन डुबकी लगाकर पुण्य अर्जित किया। मौनी अमावस्या के महत्व पर प्रकाश डालते हुए नारायणी शिला मंदिर के मुख्य पुजारी

पंडित मनोज त्रिपाठी ने बताया कि माघ माह में पड़ने वाली इस अमावस्या का विशेष धार्मिक महत्व है। शास्त्रों के अनुसार, इस दिन मौन रहकर गंगा स्नान करने से अश्वमेध यज्ञ के समान फल प्राप्त होता है। माना जाता है कि आज के दिन सभी देवी- देवता और अदृश्य ऋषि-मुनि भी धरती पर पवित्र नदियों में स्नान के लिए पधारते हैं। आज के दिन गंगा स्नान के पश्चात तिल, गुड़, अन्न और गरम वस्त्रों के दान का विधान है, जिससे साधक को सहस्त्र वर्षों तक पुण्यफल की प्राप्ति होती है। स्नान पर्व को देखते हुए पुलिस और जिला प्रशासन द्वारा सुरक्षा के चाक- चौबंद इंतजाम किए गए थे। मेला क्षेत्र को विभिन्न सेक्टरों में बांटकर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की गई थी। सुबह के समय अत्यधिक ठंड (शेष पृष्ठ सात पर)

अनियंत्रित कार खाई में गिरने से मेजर की मौत

देहरादून (उद संवाददाता)। चकराता छावनी क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे में सेना के मेजर शुभम सैनी की मौत हो गई। शनिवार शाम उनकी कार अनियंत्रित होकर लगभग 50 मीटर गहरी खाई में जा गिरी, जिससे सेना और उनके परिवार में शोक की लहर दौड़ गई है। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। 27 वर्षीय मेजर शुभम सैनी चकराता स्थित सेना के मुख्यालय में तैनात थे। शनिवार शाम वह अपनी कार से कहीं जा रहे थे, तभी अचानक छावनी क्षेत्र के पास उनकी गाड़ी बेकाबू होकर गहरी खाई में समा गई। हादसे के बाद मौके पर मौजूद सैन्य कर्मियों ने तत्काल रेस्क्यू अभियान चलाकर उन्हें खाई से बाहर निकाला और नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने उन्हें बचाने का भरसक प्रयास किया, लेकिन सिर पर गंभीर चोटें आने के कारण इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। मेजर शुभम (शेष पृष्ठ सात पर)

बाघ का खूनी आतंक,ग्रामीण को बनाया निवाला

एक महीने में बाघ के हमले में चौथी मौत से ग्रामीणों में भारी आक्रोश

रामनगर (उद संवाददाता)। कॉर्बेट टाइगर रिजर्व से सटे रामनगर वन प्रभाग के बेला बीट क्षेत्र में बाघ ने एक बार फिर खूनी खेल खेलते हुए एक व्यक्ति को अपना निवाला बना लिया। शनिवार देर शाम बाघ ने नए बायपास पुल के पास एक व्यक्ति पर अचानक हमला कर उसे सड़क से उठाकर जंगल के भीतर घसीट लिया। रविवार सुबह वन विभाग की टीम ने सघन सर्च ऑपरेशन चलाकर जंगल से मृतक का अधखाया शव बरामद किया है। इस घटना के बाद से पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल व्याप्त है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, घटना शनिवार देर शाम की है जब एक व्यक्ति सड़क के किनारे से गुजर रहा था, तभी घात लगाकर बैठे बाघ ने उस पर हमला कर

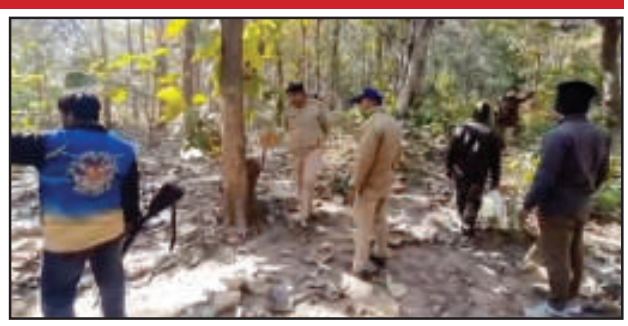

दिया। मौके पर मौजूद लोगों द्वारा शोर मचाने पर वन विभाग को सूचना दी गई, जिसके बाद टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर सर्च ऑपरेशन शुरू किया। हालांकि, घना जंगल और अंधेरा अधिक होने के कारण (शेष पृष्ठ सात पर)

संगठन की मजबूती के लिए जुटें कार्यकर्ता: गोदियाल

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। सभी कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ता संगठन को मजबूत बनाते हुए आगामी चुनाव की तैयारियों में जुट जायें। यह बात कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने आज किच्छा के विधायक तिलकराज बेहड़ के स्थानीय आवास विकास कालोनी स्थित आवास में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ एक बैठक में कही। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता पार्टी की नीतियों व पूर्व में कांग्रेस सरकार द्वारा राज्य में करायें गये विकास कार्यों की जानकारी देते हुए प्रदेश की भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों व विकास के नाम पर की जा रही कोरी राजनीति को जन जन तक पहुंचायें। उन्होंने कहा कि यदि संगठन मजबूत है तो निश्चित रूप से भविष्य में हर चुनाव में सफलता भी मिलेगी। इसलिए पार्टी को बूथ स्तर पर मजबूत करने में जुट जायें। श्री गोदियाल ने कहा कि हर कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ है इसलिए संगठन में सारे कार्यकर्ताओं को पूरा सम्मान दिया जाता है। उन्होंने कहा कि राज्य में महंगाई,बेरोजगारी, अपराध, माफियाराज,नशा कारोबार आदि के खिलाफ एकजुट होकर संघर्ष करने की आवश्यकता है। (शेष पृष्ठ सात पर)

आवश्यकता है

रुद्रपुर स्थित एक प्रतिष्ठित इलेक्ट्रॉनिक शोरूम के लिए टैली अकाउंटेंट, कैशियर, स्टोर मैनेजर आदि पदों पर कर्मचारियों की आवश्यकता है।
-:संपर्क करें:-
8433432291

नोटिस से फड़ व्यवसायियों में मचा हड़कम्प

प्रशासन ने दिया जगह खाली करने का नोटिस, रोजी-रोटी का संकट

काशीपुर (उद संवाददाता)। सड़क किनारे फड़ लगाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करने वाले लघु व्यापारियों के सामने एक बार फिर आजीविका का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। स्थानीय प्रशासन ने क्षेत्र में संचालित सभी 29 फड़ों को नोटिस जारी करते हुए तत्काल स्थान खाली करने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन की इस सख्त कार्यवाही से फड़ व्यवसायियों में हड़कंप मचा हुआ है और वे अपने भविष्य को लेकर खासे चिंतित नजर आ रहे हैं। जानकारी के अनुसार, प्रशासन द्वारा फड़ संचालकों को पहले भी कई बार मौखिक और लिखित नोटिस दिए जा चुके हैं। इस बार प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाते हुए उन्हें 17 जनवरी तक अतिक्रमण हटाने का अंतिम अल्टीमेटम दिया था। हालांकि, फड़ स्वामियों की गुहार और मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए प्रशासन ने फिलहाल उन्हें मंगलवार तक की अस्थायी मोहलत प्रदान की है, लेकिन इस राहत के बाद क्या कार्यवाही होगी, इसे लेकर स्थिति अभी स्पष्ट नहीं है। प्रशासन के इस कदम के बाद से ही फड़ संचालकों में डर और अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है। वर्षों से एक ही स्थान पर छोटा-मोटा व्यापार कर जीवन यापन कर रहे ये लोग अब एकजुट होकर आपसी विचार-विमर्श कर रहे हैं ताकि इस संकट का कोई समाधान निकाला जा सके। फड़ व्यवसायियों का कहना है कि उनके पास आय का कोई दूसरा विकल्प नहीं है और स्थान खाली करने से उनके सामने भुखमरी की नौबत आ जाएगी। फिलहाल सभी की नजरें प्रशासन के अगले कदम पर टिकी हैं।

प्रदेश अध्यक्ष ने कांग्रेस पार्षदों के साथ बंद कमरे में की रायशुमारी

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने किच्छा विधायक तिलकराज बेहड़ के आवास पर श्री बेहड़ संग उपस्थित कांग्रेस के पार्षदों मेयर प्रत्याशी के साथ बंद कमरे में रायशुमारी कर उनकी नाराजगी को ध्यान से सुना और उनका समाधान करने का आश्वासन देकर सभी से पार्टी के हित को सर्वोपरि रखकर संगठन को मजबूत बनाने का आव्हान किया। पार्षदों द्वारा संगठन के जिला उधमसिंहनगर व रूद्रपुर महानगर के अध्यक्ष पद पर हुए चुनाव के दौरान पर्यवेक्षकों की कार्यप्रणाली व उसके बाद कार्यकर्ताओं की इच्छा के विपरीत अध्यक्ष के नामों की घोषणा होने पर विस्तार से अपनी बात रखी। उनका कहना था कि इसके विरोध में उन्होंने अपना सामूहिक त्यागपत्र भी दे दिया था। श्री गोदियाल ने सभी से कहा कि वह वरिष्ठ नेताओं से बातचीत कर इसका समाधान निकालेंगे। इस दौरान मेयर प्रत्याशी मोहन खेड़ा, पार्षद सौरव बेहड़, इन्द्रजीत सिंह, गौरव खुराना, सोफिया नाज, परवेज कुरैशी, सुशील मंडल आदि मौजूद थे।

उत्तराखंड बना 'स्टार्टअप लीडर'

सीएम धामी की नीतियों का नतीजा, स्टेट्स स्टार्टअप इकोसिस्टम रैंकिंग के पांचवें संस्करण में मजबूत स्टार्टअप इकोसिस्टम विकसित करने के लिए राज्य को प्रदान की गई लीडर की

■ अर्श

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री का पदभार ग्रहण करने के बाद पुष्कर सिंह धामी द्वारा राज्य एवं राज्य वासियों के हित में लागू की गई जनकल्याणकारी नीतियों के सुखद परिणाम अब सामने आने लगे हैं। धामी सरकार की नीतियों के चलते अब उत्तराखंड राष्ट्रीय स्तर पर एक सक्षम एवं समृद्ध राज्य के रूप में अपनी पहचान बना रहा है हाल के कुछ महीनो में प्रदेश ने अनेक क्षेत्रों में देश के अन्य राज्यों को पीछे छोड़ते हुए पहले स्थान पर काबिज होने में सफलता पाई है विगत रोज मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं उत्तराखंड के सर एक और बड़ी उपलब्धि का सेहरा बंध गया। ज्ञात

हो कि भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग (डिपार्टमेंट फॉर प्रमोशन ऑफ इंडस्ट्री एंड इंटरनल ट्रेड द्वारा जारी स्टेट्स स्टार्टअप इकोसिस्टम रैंकिंग (5वां संस्करण) में उत्तराखंड को मजबूत स्टार्टअप इको सिस्टम विकसित करने में 'लीडर' के रूप में मान्यता प्रदान की गई है। इस उपलब्धि के लिए उत्तराखंड सरकार के उद्योग विभाग को स्टार्टअप दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सर्टिफिकेट ऑफ एप्रिसिएशन प्रदान किया गया है। उत्तराखंड की उपलब्धि को राष्ट्रीय स्तर पर एक मॉडल के तौर पर भी देखा जा रहा है। इस सम्मान से यह तथ्य पूरी तरह रेखांकित होता है कि उत्तराखंड अपनी स्टार्टअप नीति के जरिए नवाचार, उद्यमिता, निवेश प्रोत्साहन और युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने में कामयाब रहा है, जिसे अब राष्ट्रीय स्तर पर सराहा जा रहा है। प्रदेश की इस उपलब्धि पर सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि, यह सम्मान उत्तराखंड के लिए गर्व का विषय है। हमारी सरकार ने स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए अनुकूल नीतियां, सरल प्रक्रियाएं और मजबूत इको सिस्टम विकसित किया है। राज्य के युवाओं में नवाचार की अद्भुत क्षमता है और सरकार हर स्तर पर उन्हें सहयोग प्रदान कर रही है। यह उपलब्धि प्रदेश के सभी उद्यमियों, (शेष पृष्ठ 7 पर)

मुख्यमंत्री धामी से केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. राज भूषण चौधरी ने की शिष्टाचार भेंट

देहरादून(उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से आज मुख्यमंत्री आवास में भारत सरकार के केंद्रीय राज्य मंत्री (जल शक्ति मंत्रालय) डॉ. राज भूषण चौधरी ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर राज्य एवं केंद्र के बीच जल संसाधन प्रबंधन, पेयजल योजनाओं, सिंचाई, स्वच्छ जल उपलब्धता और उत्तराखंड की भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप जल संरक्षण से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर सकारात्मक एवं सार्थक चर्चा हुई। भेंट के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड की पर्वतीय भौगोलिक संरचना, जल स्रोतों की संवेदनशीलता और राज्य में सतत जल प्रबंधन की आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड न केवल देश की प्रमुख नदियों का उद्गम स्थल है, बल्कि "जल जीवन मिशन" और अन्य केंद्रीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के माध्यम से राज्य सरकार हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय राज्य मंत्री को अवगत कराया कि राज्य सरकार केंद्र

सरकार के सहयोग से पेयजल आपूर्ति, जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन और सिंचाई परियोजनाओं को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि पर्वतीय क्षेत्रों में जल स्रोतों के पुनर्जीवन और परंपरागत जल संरचनाओं के संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि भविष्य की पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. राज भूषण चौधरी ने उत्तराखंड में जल शक्ति मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की सराहना की। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार उत्तराखंड जैसे हिमालयी राज्य की विशेष आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए हर संभव सहयोग प्रदान कर रही है। उन्होंने जल जीवन मिशन, नमामि गंगे, जल संरक्षण और स्वच्छता से जुड़ी योजनाओं में राज्य सरकार के प्रयासों की प्रशंसा की। इस दौरान मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री के बीच राज्य में भविष्य की जल परियोजनाओं, केंद्रराज्य समन्वय को और सुदृढ़ करने तथा जल संसाधनों के सतत उपयोग को लेकर भी विचार-विमर्श हुआ। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री धामी ने विश्वास व्यक्त किया कि केंद्र सरकार के सहयोग से उत्तराखंड जल प्रबंधन के क्षेत्र में एक मॉडल राज्य के रूप में उभरकर सामने आएगा।

प्रदेश भर में आयोजित 383 शिविरों में 21 हजार शिकायतों का हुआ मौके पर निस्तारण

देहरादून (उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में संचालित 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' कार्यक्रम प्रदेश में संवेदनशील और जवाबदेह शासन का एक बड़ा उदाहरण बनकर उभरा है। 17 जनवरी 2026 तक के आंकड़े तस्दीक कर रहे हैं कि सरकार न केवल जनता की समस्याएं सुन रही है, बल्कि उनका समयबद्ध समाधान भी सुनिश्चित कर रही है। इस अभियान के तहत अब तक प्रदेश के सभी 13 जनपदों में कुल 383 शिविर आयोजित किए जा चुके हैं। शनिवार को ही प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में 18 शिविर लगाए गए, जबकि अब तक कुल 381 शिविरों के माध्यम से आम नागरिकों को सीधा लाभ पहुंचाया गया है। इन शिविरों में अब तक 3,07,705 नागरिकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है, जिसमें से केवल शनिवार को ही 19,875 लोग शामिल हुए। यह भारी जन सहभागिता पुष्कर सिंह धामी की जन केंद्रित शासन प्रणाली में जनता के गहरे विश्वास को दर्शाती है। प्रशासनिक सक्रियता का आलम यह है कि इन शिविरों के माध्यम से सरकार को अब तक कुल 31,288 शिकायत पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 21,047 शिकायतों का सफलतापूर्वक निस्तारण कर दिया गया है। शनिवार को ही 1,556 शिकायतों का समाधान मौके पर किया गया। शिकायतों के निस्तारण के साथ ही सरकार ने इस अभियान के जरिए नागरिकों को आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने में भी बड़ी सफलता हासिल की है। कार्यक्रम के तहत अब तक विभिन्न प्रकार के 42,116 प्रमाण पत्र जारी किए गए हैं, जिनमें से 2,417 प्रमाण पत्र शनिवार को निर्गत किए गए। जाति, निवास और आय जैसे जरूरी प्रमाण पत्रों की घर-घर उपलब्धता ने आम जनता को सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने से बड़ी राहत दी है।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की डोर-स्टेप डिलीवरी की प्रतिबद्धता के चलते राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से अब तक 1,67,940 से अधिक नागरिकों को लाभान्वित किया गया है। इसमें शनिवार को लाभ पाने वाले 9,701 लाभार्थी भी शामिल हैं। सामाजिक सुरक्षा, पेंशन, स्वास्थ्य, स्वरोजगार और शिक्षा जैसी योजनाओं का लाभ सीधा पात्र व्यक्तियों तक पहुंच रहा है। जनपदवार प्रदर्शन देखें तो अल्मोड़ा, हरिद्वार, देहरादून, ऊधम सिंह नगर, नैनीताल, टिहरी, पौड़ी, पिथौरागढ़, चंपावत, रुद्रप्रयाग, बागेश्वर और उत्तरकाशी सहित सभी जिलों में यह अभियान प्रभावी रहा है। विशेषकर हरिद्वार, ऊधम सिंह नगर, देहरादून और अल्मोड़ा में जनता ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। यह कार्यक्रम अब केवल शिकायत निवारण का माध्यम नहीं, बल्कि सरकार और जनता के बीच भरोसे और पारदर्शिता का सेतु बन गया है, जो उत्तराखंड को एक सक्रिय शासन मॉडल के रूप में स्थापित कर रहा है।

जगदीश
कलर लैब
टंडन फोटो स्टूडियो
पासपोर्ट फोटो तुरन्त प्राप्त करें
जनरेटर सुविधा भी उपलब्ध है।
मोबाइल, चिप, डिजिटल कैमरा, पेन ड्राइव, सीडी आदि डिजिटल कार्य तुरन्त बनवायें।
काशीपुर बाईपास रोड,
गुरुनानक कन्या इण्टर कालेज के सामने गली में, रुद्रपुर
E-mail: jagdishcolourlab@gmail.com
Web: jagdishcolourlab.com
05944-246817

19 आईएएस और 11 पीसीएस अफसरों के तबादले

देहरादून। धामी सरकार ने शनिवार को अफसरशाही में बड़ा बदलाव किया है। 19 आईएएस और 11 पीसीएस अफसरों के तबादले किए गए हैं। इसके तहत आवास, स्वास्थ्य, पेयजल, सहकारिता, आयुष, नियोजन जैसे अहम विभागों के सचिव बदले गए हैं। वहीं, हाल ही में पदोन्नत होकर सचिव बनने वाले अफसरों को भी जिम्मेदारी दी गई है। प्रमुख सचिव आर मीनाक्षी सुंदरम का बोझ हल्का करते हुए सरकार ने उनसे आवास, मुख्य प्रशासक आवास एवं नगर विकास प्राधिकरण की जिम्मेदारी हटा दी है। उन्हें कोई नया विभाग नहीं सौंपा गया। सचिव मुख्यमंत्री शैलेश बगौली से पेयजल हटाकर रणवीर चौहान को दिया गया है। सचिव रणवीर सिंह चौहान से राज्य संपत्ति व आयुक्त खाद्य की जिम्मेदारी हटाई गई है। सचिव सचिन कुर्वे को अब नागरिक उड्डयन के साथ ही चिकित्सा स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा, आयुक्त स्वास्थ्य, प्रोजेक्ट डायरेक्टर हेल्थ सिस्टम की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सचिव वित्त दिलीप जावलकर से सरकार ने निदेशक ऑडिट की जिम्मेदारी हटा दी है। बाकी विभाग यथावत रखे गए हैं। सचिव पशुपालन डॉ. बीवीआरसी पुरुषोत्तम से सहकारिता हटाकर हाल ही में सचिव बने डॉ. अहमद इकबाल को सौंप दिया गया है। सचिव डॉ. आर राजेश कुमार से स्वास्थ्य महकमा ले लिया गया है। उन्हें अब आवास, राज्य संपत्ति विभाग, आयुक्त आवास, मुख्य प्रशासक उत्तराखंड आवास एवं नगर विकास प्राधिकरण की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सचिव सैनिक कल्याण दीपेंद्र चौधरी से सचिवालय प्रशासन और आयुष व आयुष शिक्षा विभाग हटा दिया गया है। सचिव विनोद कुमार सुमन से सामान्य प्रशासन, उत्तराखंड डिजास्टर प्रिपेयर्डनेस एंड रेजिलिएंस प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी हटा दी गई है। बाकी विभाग यथावत रहेंगे। डॉ. अहमद इकबाल से बतौर अपर सचिव सभी विभाग हटा दिए गए हैं। सचिव रंजना राजगुरु से अपर सचिव विद्यालयी शिक्षा की जिम्मेदारी हटाते हुए आयुष एवं आयुष शिक्षा विभाग सौंपा गया है।सचिव आनंद स्वरूप से आपदा प्रबंधन समेत सभी विभाग हटाते हुए अब खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले, आयुक्त खाद्य, परियोजना निदेशक उत्तराखंड डिजास्टर प्रिपेयर्डनेस एंड रेजिलिएंस प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी दी गई है। सचिव देव कृष्ण तिवारी को अब नियोजन सौंपा गया है। अपर सचिव संबंधी सभी विभाग हटा दिए गए। सचिव उमेश नारायण पांडेय को पुनर्गठन, भाषा विभाग मिला है। सचिव राजेंद्र कुमार को सामान्य प्रशासन विभाग, अपर सचिव आयुष एवं आयुष शिक्षा डॉ. विजय कुमार जोगदंडे को अब निर्वाचन विभाग भी सौंपा गया है। नैनीताल की मुख्य विकास अधिकारी अनामिका को सरकार ने फिलहाल बाध्य प्रतीक्षा में रखा है। आईएएस प्रवीण कुमार की बाध्य प्रतीक्षा खत्म करते हुए अपर निदेशक शहरी विकास और अपर नगर आयुक्त नगर निगम देहरादून की जिम्मेदारी दी गई है। वित्त सेवा से अपर सचिव मनमोहन मैनाली को निदेशक ऑडिट की जिम्मेदारी सौंपी। सरकार ने 11 पीसीएस के तबादले भी कर दिए। संभागीय खाद्य नियंत्रक अरविंद पांडे को अब मुख्य विकास अधिकारी नैनीताल बनाया गया है। पीसीएस दिनेश प्रताप सिंह से चीनी मिल डोईवाला की जिम्मेदारी हटाई गई है। बाकी आवास संबंधी विभाग यथावत रहेगा। रुद्रप्रयाग के एसडीएम अनिल कुमार शुक्ला को एसडीएम हरिद्वार बनाया गया है। हरिद्वार में पीसीएस दयानंद से एसडीएम की जिम्मेदारी हटाई गई है। वह अपर मेलाधिकारी बने रहेंगे। पौड़ी की एसडीएम नुपुर को अधिशासी निदेशक डोईवाला चीनी मिल बनाया गया है। देहरादून के सिटी मजिस्ट्रेट प्रत्यूष सिंह से जीएमवीएन हटाकर उन्हें एमडीडीए संयुक्त सचिव की अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी गई है। एसडीएम चंपावत आकाश जोशी को एसडीएम हरिद्वार के साथ ही उप मेलाधिकारी भी बनाया गया है। एसडीएम नैनीताल राहुल शाह को एसडीएम ऊधमसिंह नगर, एसडीएम टिहरी संदीप कुमार को एसडीएम पौड़ी, एसडीएम पिथौरागढ़ मंजीत सिंह गिल को उप मेलाधिकारी हरिद्वार और एसडीएम बागेश्वर ललित मोहन तिवारी को एसडीएम पिथौरागढ़ की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

मान्यता न मिलने से भड़के सूरजमल मेडिकल कॉलेज के छात्र, गेट बंद कर दिया धरना

किच्छा (उद संवाददाता)। पुलभट्टा स्थित सूरजमल यूनिवर्सिटी के सूरजमल मेडिकल कॉलेज ऑफ आयुर्वेद एंड हॉस्पिटल में शनिवार को नर्सिंग के विद्यार्थियों का गुस्सा फूट पड़ा। कॉलेज को अब तक इंडियन नर्सिंग काउंसिल (आईएनसी) की मान्यता न मिलने से नाराज छात्रों ने कॉलेज का मुख्य गेट बंद कर जोरदार प्रदर्शन किया और प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। छात्रों का आरोप है कि मान्यता के अभाव में उनकी डिग्री बेकार हो जाएगी और उनका भविष्य अंधकारमय हो जाएगा।धरने पर बैठे बीएससी नर्सिंग छठे सेमेस्टर के छात्र लकी प्रकाश ने बताया कि कॉलेज के पहले बैच में प्रवेश के समय प्रबंधन ने आश्वासन दिया था कि जल्द ही आईएनसी का अप्रूवल मिल जाएगा। अब उनकी डिग्री पूरी होने में मात्र छह माह का समय शेष है, लेकिन कॉलेज को अब तक मान्यता नहीं मिली है। छात्रों का कहना है कि आईएनसी पंजीकरण के बिना उन्हें न तो सरकारी नौकरी मिल पाएगी और न ही वे विदेश में रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकेंगे। इस गंभीर समस्या को लेकर सभी बैचों

के विद्यार्थियों ने एकजुट होकर कॉलेज परिसर में धरना दिया।मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलभट्टा थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभाला। पुलिस की मौजूदगी में परीक्षा नियंत्रक डॉ. विपिन कुमार अग्रवाल ने आंदोलनकारी छात्रों को समझाने और शांत करने का प्रयास किया, लेकिन छात्र अपनी मांग पर अड़े रहे। विद्यार्थियों का स्पष्ट कहना है कि जब तक आईएनसी का आधिकारिक अप्रूवल नहीं मिल जाता, उनका विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। प्रदर्शन करने वालों में मुख्य रूप से मो. तारिफ, मोनिश, नईम, गौतम, अमन, संगीता, सोनिया, सामिया, फिजा, रश्मि, शीतल, निशा, अमित, सुशील, प्रवेश, श्याम सहित भारी संख्या में विद्यार्थी शामिल रहे।

वाहन चोरों ने उड़ाई तीन बाईकें

सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए दो नकाबपोश चोर

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। शहर में वाहन चोरों के हौसले बुलंद हैं। चोरों ने पुलिस को चुनौती देते हुए अलग-अलग थाना क्षेत्रों से तीन मोटरसाइकिलें चोरी कर लीं। विशेष बात यह है कि एक बाइक विधायक कार्यालय के ठीक सामने से चोरी हुई है, जिसकी वारदात सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुई है। पुलिस ने तीनों मामलों में मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है। बाइक चोरी की पहली घटना थाना ट्रांजिट कैंप क्षेत्र की है। बरेली के बहेड़ी निवासी संजय चौहान, जो रूद्रपुर में बजाज लाइफ इंश्योरेंस में कार्यरत हैं, ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार 16 जनवरी को उनकी बाइक संख्या यूपी 25डीपी 0064 पीएसए प्लाजा के पास खड़ी थी। यह स्थान विधायक शिव अरोड़ा के कार्यालय के सामने और सरस्वती शिशु मंदिर गेट के पास है। दोपहर करीब 3:15 बजे दो नकाबपोश चोर उनकी बाइक लेकर फरार हो गए। चोरी की यह पूरी वारदात वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पीड़ित ने पुलिस को वीडियो साक्ष्य सौंपते हुए कार्रवाई की मांग की है। चोरी की दूसरी वारदात भी थाना ट्रांजिट कैंप क्षेत्र में ही हुई। ठाकुर नगर निवासी सामिल मल्लिक, जो पंजाब नेशनल हाउसिंग फाइनेंस में कर्मचारी हैं, ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि 13 जनवरी को उन्होंने अपनी बाइक संख्या यूके 06एजेड 4169 ऑफिस के सामने खड़ी की थी। शाम को ड्यूटी खत्म कर जब वह बाहर आए तो उनकी मोटरसाइकिल वहां से गायब थी। काफी खोजबीन के बाद भी बाइक का सुराग नहीं लग सका। वहीं, कोतवाली रूद्रपुर के अंतर्गत दानपुर क्षेत्र से भी एक बाइक चोरी का मामला सामने आया है। कोलड़ा बागवाला निवासी पवन त्रिपाठी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह 21 दिसंबर की शाम अपनी मोटर साइकिल संख्या UK06 BJ8424 से दानपुर साप्ताहिक बाजार गए थे। उन्होंने सर्विस लाइन में अपनी बाइक खड़ी कर लॉक लगाया था, लेकिन कुछ ही देर बाद अज्ञात चोरों ने उनकी बाइक पर हाथ साफ कर दिया। पुलिस ने तीनों पीड़ितों की तहरीर पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं।

बारिश और बर्फबारी नहीं होने से लोग निराश

देहरादून/चमोली। लंबे इंतजार के बाद प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी हुई तो मैदानी इलाकों में इसका असर देखने को मिला। राजधानी दून में कोहरा छाने और शीतलहर चलने से सूखी ठंड ने परेशान किया। मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से जारी पूर्वानुमान के अनुसार, आज देहरादून समेत हरिद्वार, ऊधमसिंह नगर, चंपावत, नैनीताल और पौड़ी जिले के कुछ हिस्सों में कोहरा छाने का येलो अलर्ट जारी किया गया है। जबकि उत्तरकाशी, चमोली और पिथौरागढ़ जिले के कुछ हिस्सों में बर्फबारी व हल्की बारिश होने की संभावना है। चमोली जिले में शनिवार दोपहर बाद ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी होने से हल्की राहत मिली है। हालांकि निचले इलाकों में लोग बारिश व बर्फबारी का इंतजार करते रहे, लेकिन देर शाम तक निचले इलाकों में मौसम बदला ही रहा। शनिवार सुबह से आसमान में बादल छाए रहे। दोपहर बाद हेमकुंड साहिब, बदरीनाथ व नीती घाटी की ऊंची चोटियों में बर्फबारी शुरू हुई। देर शाम तक यहां बर्फबारी होती रही। हालांकि निचले इलाकों में लोग बारिश-बर्फबारी का इंतजार करते रहे। लोगों को उम्मीद थी कि सुबह से मौसम बदला हुआ है, जरुर दोपहर बाद बारिश होगी, मगर ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हल्की बारिश होने के अलावा निचले क्षेत्रों में कड़ाके की ठंड तो बढ़ी, मगर बारिश नहीं हुई, जिससे लोगों में निराशा है।

भवाली से भीमताल तक बनेंगे चार टू-लेन पुल

नैनीताल। पर्यटन सीजन में जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए लोक निर्माण विभाग ने भवाली से भीमताल तक चार टू-लेन पुल के निर्माण की डीपीआर शासन को भेज दी है।शासन से अनुमति मिलते ही आरसीसी के चार टू-लेन पुलों का निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। विभाग की ओर से गोलूधार, खुटानी, रामगढ़ रोड और भीमताल थाने के पास सिंगल पुलों के बजाय आरसीसी के टू-लेन पुल बनाए जाएंगे। ताकि भवाली और भीमताल में पर्यटन सीजन और वीकेंड में लगने वाले जाम की समस्या से निजात मिल सके। साथ ही सैलानियों और स्थानीय लोगों को परेशानियों का सामना न करना पड़े। पुल बनने से स्थानीय व्यापारियों और पर्यटन कारोबारियों का कारोबार भी अच्छा रहेगा। लोनिवि के अधिशासी अभियंता कृष्ण कुमार ने बताया कि विभाग की ओर से चार टू-लेन पुल के निर्माण को लेकर डीपीआर शासन शासन भेजी है। शासन से स्वीकृत मिलते ही निर्माण कार्य शुरु किया जाएगा।

आयुक्त दीपक रावत ने सुनी जनसमस्याएं, नियमों के उल्लंघन पर खनन भंडारण सीज करने के निर्देश

धोखाधड़ी के मामले में महिला को मौके पर वापस दिलाई एक लाख की धनराशि, जूडो प्रतियोगिता का परिणाम निरस्त

हल्द्वानी(उद संवाददाता)। जनसुनवाई कार्यक्रम में आयुक्त/सचिव मुख्यमंत्री दीपक रावत ने जनता की समस्याओं में भूमि विवाद, धोखाधड़ी से धनराशि हड़पने, मृतक आश्रित को नौकरी दिलवाने,भरण पोषण,खनन भण्डारण को सीज किये जाने जैसे गम्भीर मामलों पर त्वरित कार्यवाही की। हल्द्वानी कैम्प कार्यालय में आयोजित जनता मिलन कार्यक्रम के दौरान आयुक्त ने जनता द्वारा रखे गए विभिन्न प्रकरणों पर सुनवाई की और कई मामलों में मौके पर ही समाधान किया।आयुक्त ने कहा रेता बजरी भण्डारण जिन क्षेत्रों में किया जाता है नियमों की अवहेलना करने पर सीज की कार्यवाही की जाए। जनसुनवाई में बेरीपड़ाव स्थित रेता बजरी भण्डारण स्टॉक की शिकायत ओवरलोडिंग, सीसीटीवी कैमरा तथा चाहरदीवारी न होने पर आयुक्त ने खान अधिकारी एवं आटीओ को तलब कर शहर में जिन क्षेत्रों में खजिन के स्टॉक है उनका स्थलीय निरीक्षण कर जिन खनिज भण्डार पर सीसीटीवी कैमरा, चाहरदीवारी आदि नही है उनको सीज किया जाए तथा ओपरलोडिंग पर भी नियमानुसार कार्यवाही की जाए। रानीखेत निवासी करूणा ने हल्द्वानी के पप्पू यादव को 2 लाख रूपये दिये थे उक्त व्यक्ति द्वारा धनराशि वापस नही की गई, करूणा की शिकायत पर आयुक्त ने उक्त व्यक्ति को तलब कर 1 लाख की धनराशि मौके वापस दिलाई शेष धनराशि एक माह के भीतर वापस के निर्देश दिये वापस नही करने पर

कार्यवाही की जायेगी। जनसुनवाई में लोगों ने शिकायत की कि जी.एम.एफ. एक्स ग्लोबल लिमिटेड सत्यलोक कालोनी देवलचौड द्वारा काफी लोगों की धनराशि ट्रेड मार्केट में लगाई गई जीएमएफएक्स के सीईओ द्वारा बताया गया कि उनकी कम्पनी भारी नुकसान में चल रही है। जिस पर आयुक्त ने कम्पनी का बैलेंस सीट और डाटा ऑनलाईन दिखाने के निर्देश दिये सीईओ डाटा एव बैलेंस सीट आनलाईन नही दिखा पाये। उक्त प्रकरण को आयुक्त ने गम्भीरता से लेते हुये उक्त प्रकरण की जांच के निर्देश दिये तथा आयुक्त द्वारा कम्पनी का जनसुनवाई के पश्चात स्थलीय निरीक्षण भी किया गया। जनसुनवाई में काफी लोगों की यह भी शिकायत आई कि लोगों द्वारा फाइनेंस कम्पनी से वाहन लोन पर लिया जाता है लोन नही देने की स्थिति में वाहन को फाइनेंस कम्पनी द्वारा बिना वाहन के ट्रान्सफर के अन्य व्यक्ति को विक्रय कर दिया जाता है और जिन लोंगो के वाहन नाम पर है चालानी व अन्य कार्यवाही से गुजरना पड़ता है। उक्त तथ्य को गम्भीरता से लेते हुये आयुक्त ने सम्भागीय परिवहन अधिकारी को इस प्रकार का कृत्य करने वाली फाइनेंस कम्पनी के खिलाफ नोटिस एवं वैध ानिक कार्यवाही करने के निर्देश दिये।अन्तर्राष्ट्रीय स्टेडियम गौलापार में आज जूडो अण्डर 19 एवं 14 का रिजल्ट को खिलाडियों की शिकायत पर आयुक्त ने निरस्त करने के निर्देश जिला क्रीडा अधिकारी को दिये। खिलाडियों द्वारा शिकायत की गई कि रैफरी क्वालीफाई नही थे तथा रैफरी के निर्णय पर असंतोष व्यक्त किया। जिस पर आयुक्त ने मैच को कल प्रात: दोबारा कराने के निर्देश दिये और कहा कि काबिल योग्य खिलाडियों का चयन किया जाए मैच रैफरी को खेल के नियमों की सही समझ हो। आयुक्त ने कहा कि जनता मिलन में जनता की समस्याओं का शीघ्र और पारदर्शी समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने सभी सम्बन्धित विभागों को निर्देश दिये गये कि प्राप्त प्रकरणों पर समयबद्ध एवं प्रभावी कार्यवाही की जाए।

विधायक पांडे के करीबियों पर फिर लगा भूमि कब्जाने का आरोप

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। गदरपुर के विधायक अरविन्द पाण्डे पर भूमि संबंधी विवाद थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। अब स्वार रामपुर की एक बुजुर्ग महिला ने विध ायक पर भूमि कब्जाने का आरोप लगाते हुए कलेक्ट्रेट गेट पर परिजनों के साथ धरना दे दिया और शाम तक न्याय न मिलने पर आत्महत्या कर लेने की चेतावनी दे डाली। जानकारी मिलने पर एडीएम कोस्तुभ मिश्रा ने वहां आकर परिजनों को समझाया और मामले में जांच कमेटी बनाने का भरोसा दिया। जिसके बाद परिजनों ने धरना स्थगित किया। किन्दरजीत कौर पत्नी जगतार सिंह निवासी शेखुपुरा हसनपुर उत्तरी, पो0ओ0- रेहमतगंज तहसील स्वार थाना स्वार जिला रामपुर, का कहना है उसकी भूमि ग्राम कनौरी,

काशीपुर बाईपास रोड तहसील बाजपुर में हाईवे से लगती हुई करीब 04 एकड भूमि है। जो कि उसके व उसके नाबालिग पुत्र गुरदित्त सिंह के नाम दर्ज है। इसके अलावा उसकी ग्राम शेखुपुरा तहसील स्वार जिला रामपुर करीब 09 एकड़ भूमि है। उसके कुछ रिश्तेदार उसकी शेखुपुरा एवं ग्राम कनौरी की जमीन पर जबरन कब्जा करने चाहते हैंउक्त लोगों 02.12.2024 को कनौरी की जमीन पर जबरन ट्रैक्टरों के माध्यम से बोई फसल पर जोत दिया गया तथा उक्त सभी लोग असलाहों से लैस थे जिनके साथ करीब 30-40 लोग अन्य भी मौजूद थे और उक्त लोग असलाह लहराते हुये धमका रहे थे कि आज जो भी बीच में आये उसे गोली मारकर खत्म कर दों और ये भी धमकी दे रहे थे कि हमारा कोई कुछ नहीं बिगाड पायेगा। उसकी जमीन पर दबंगई करते हुये जबरन कब्जा कर लिया। जिसकी शिकायत जब थाना बाजपुर पुलिस चौकी दोराहा व परगना अधिकारी, बाजपुर को दी गई परन्तु उक्त लोगो के राजनैतिक व प्रभावशाली दवाब के चलते आज दिन तक कोई सुनवाई नहीं हो रही है। एडीएम के आश्वासन के बाद महिला के धरना स्थगित करने पर अधिकारियों ने राहत की सांस ली।

परिचित पर लगाया उधार के पांच लाख रुपये हड़पने का आरोप

गदरपुर। थाना गदरपुर में एक व्यक्ति द्वारा अपने परिचित पर पांच लाख रुपये की धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए तहरीर दी गई है। पीड़ित का आरोप है कि रुपये उधार देने के एवज में आरोपी ने अपनी भूमि बंधक रखी थी, लेकिन तय समय पर न तो रुपये लौटाए गए और न ही भूमि वापस की गई।तहरीर के अनुसार ग्राम लखनपुर निवासी पीड़ित ने 4 जनवरी 2023 को अपने परिचित इन्द्रजीत सिंह पुत्र दर्शन सिंह, निवासी ग्राम राजपुरा नंबर-1, थाना गदरपुर को उधार के रूप में पांच लाख रुपये दिए थे। आरोप है कि उक्त रकम के बदले इन्द्रजीत सिंह ने अपनी भूमि का एक हिस्सा पीड़ित के पास बंधक रखा था। बाद में पंचायत में यह तय हुआ कि 21 दिसंबर 2025 तक पूरी रकम वापस कर दी जाएगी।पीड़ित का कहना है कि तय तिथि आने पर जब उसने अपने रुपये मांगे तो आरोपी टालमटोल करने लगा और रुपये लौटाने से इनकार कर दिया। इतना ही नहीं, आरोपी पर गाली-गलौज व मारपीट का भी आरोप लगाया गया है। पीड़ित ने यह भी आरोप लगाया कि इन्द्रजीत सिंह ने बंधक रखी भूमि को किसी अन्य को बेच दिया है और उसके रुपये हड़पने की नीयत से धोखाध ड़ी की गई है।पीड़ित ने आरोपी के खिलाफ कठोर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

फसल बीमा राशि के नाम पर गबन का आरोप

बैंक के फील्ड ऑफिसर समेत तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

गदरपुर(उद संवाददाता)। भारतीय स्टेट बैंक कृषि विकास शाखा गदरपुर में लाखों रुपये के फसल बीमा धनराशि के कथित गबन का मामला प्रकाश मे आया है। मामले में बैंक प्रबंधन की शिकायत पर बैंक फील्ड ऑफिसर और अन्य दो किसान के खिलाफ न्यायालय के आदेश पर गबन का मुकदमा दर्ज किया है। बैंक के वर्तमान मुख्य शाखा प्रबंधक डॉ. जॉर्डन नितिन लाल ने फील्ड ऑफिसर गिरीश पंचपाल पर किसानों के बीमा से संबंधित लोकधन में हेराफेरी और धोखाधड़ी का गंभीर आरोप लगाया है। न्यायालय के आदेश पर गदरपुर पुलिस ने बैंक के फील्ड ऑफिसर गिरीश पंचपाल तथा किसान बेरिया दौलत निवासी बलविंदर सिंह तथा उर्मिला देवी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। बैंक के प्रबंधक ने न्यायालय को शिकायती पत्र देकर बताया कि, बैंक में किसानों के फसल बीमा हेतु एक बीजीएल खाता संचालित है। वर्ष 2021 में 551 केसीसी खाताधारकों के फसल बीमा के लिए 9,44,101.14 रुपये बीमा कंपनी को ट्रांसफर किए गए थे। बाद में बीमा के लिए आवश्यक दस्तावेज पूरे न होने के कारण बीमा कंपनी ने पूरी राशि पुन: बैंक के बीजीएल खाते में वापस कर दी। आरोप है कि इसके बाद तत्कालीन फील्ड ऑफिसर गिरीश पंचपाल ने यह राशि संबंधित 551 किसानों के खातों में वापस न भेजकर केवल 1517.48 रुपये खाते में छोड़ते हुए शेष रकम 11 ऐसे खाताधारकों के खातों में ट्रांसफर कर दी, जिनका न तो बीमा से और न ही केसीसी खातों से कोई संबंध था।इसके अतिरिक्त आरोप है कि एक अन्य खाताधारक किशन चंद के खाते से 10 लाख रुपये का चेक आहरित कर बीजीएल खाते में जमा कराया गया। बाद में 551 में से केवल 537 किसानों के खातों में 8,85,579.43 रुपये वापस किए गए, जबकि 57,014.23 रुपये बीजीएल खाते में बकाया छोड़ दिए गए।बैंक प्रबंध न के अनुसार, इस पूरे प्रकरण की आंतरिक जांच सर्किल ऑफिस, नई दिल्ली द्वारा कराई गई, जिसमें 26 जून 2024 को धोखाधड़ी और लोकधन के दुरुपयोग की पुष्टि हुई। ।प्रार्थी ने न्यायालय से मामले में एफआईआर दर्ज कराकर निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। वही गदरपुर पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर बैंक के फील्ड ऑफिसर तथा अन्य दो किसानों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वही अग्रिम कार्रवाई तक बैंक के फील्ड ऑफिसर को विभागीय कार्रवाई के अनुसार फील्ड ऑफिसर के पद से हटाकर क्लर्क के चार्ज पर संयुक्त किया।

बारिश नहीं होने से 20 प्रतिशत गेहूं की फसल खेतों में सूखी

नैनीताल। प्रदेश में बारिश और बर्फबारी नहीं होने से काश्तकारों के समक्ष संकट खड़ा हो रहा है। आलू की फसलों का पूरा बीमा नहीं मिलने से परेशान चल रहे पर्वतीय क्षेत्रों के किसानों को अब बारिश और बर्फबारी नहीं होने से परेशानी में डाल दिया है। जिले के ओखलकांडा, बेतालघाट, धारी, रामगढ़ और भीमताल क्षेत्र में बारिश नहीं होने से 20 प्रतिशत गेहूंकी फसल खेतों में सूख गई है। कृषि विभाग की ओर किए गए सर्वे में पर्वतीय क्षेत्रों के अर्सिचित भूमि पर गेहूं की खेती करने वाले लगभग 5500 किसानों को 20 प्रतिशत नुकसान पहुंचा है। साथ ही 30 जनवरी तक बारिश नहीं होने पर नुकसान शत प्रतिशत हो सकता है। साथ ही बर्फबारी नहीं होने से सेब के उत्पादन पर भी असर पड़ेगा। इधर जिले में अभी तक बारिश नहीं होने से पर्वतीय क्षेत्रों के किसान गेहूं, सरसों, जौ और सेब के उत्पादन को लेकर चिंतित है।

सीएम कार्यक्रम का विरोध करते कई छात्र हिरासत में

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी के संभावित दौरे को देखते युवा काग्रेस कार्यकर्ता प्रदेश उपाध्यक्ष हेमन्त साहू के नेतृत्व में कई छात्रों ने काले गुब्बारों के साथ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। जानकारी मिलने पर पुलिस ने विरोध प्रदर्शन कर रहे सभी छात्रों को हिरासत में ले लिया। रोषित छात्रों ने मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे का विरोध प्रदर्शन करते हुए अंकिता भण्डारी के दोषियों को फांसी की सजा देने, सुखवंत सिंह हत्या कांड की सीबीआई जांच करवाने, बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई, पलायन, नशे के करोबार पर रोक लगाने का मुद्दा उठाया। कुसुमखेड़ा चौराहे पर कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार करने में पुलिस को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। युवा नेता हेमन्त साहू व दीपा खत्री ने कहा सरकार मोर्चे पर विफल है। उध मसिंह नगर जनपद के किसान सुखवंत सिंह आत्महत्या मामले की निष्पक्ष एवं उच्च स्तरीय न्यायिक जांच हो और एसएसपी को तत्काल प्रभाव से हटाया जाए। साहू ने कहा राज्य में कानून व्यवस्था पूरी तरह समाप्त हो गई है। अपराध, नशे का करोबार चरम सीमा पर पहुंच गया है। छात्र नेता शोभित कुमार व सचिन राठौर ने कहा स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह चौपट हो गई है जिस वजह से निजी अस्पताल गरीबों को लूट रहे है। पुलिस छात्रों को 2 बजे गिरफ्तार आरटीओ चौकी ले गई और शाम 5 बजे निजी मुचलके पर रिहा किया। गिरफ्तार होने वालों में छात्र नेता शोभित कुमार, तस्कीन अहमद, सचिन राठौर, मोनू चौहान, आनंद कुमार, विराज कुमार, नील खत्री, विशाल आर्या आदि शामिल थे।

बहुउद्देशीय शिविर में 56 शिकायतों का मौके पर निस्तारण

भीमताल (उद संवाददाता)। विकास खंड भीमताल की न्याय पंचायत ओखलढुंगा स्थित राजीव गांध ी सेवा केंद्र रौशिल में शनिवार को 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' कार्यक्रम के तहत विशाल बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को सीधे आम जनता तक पहुंचाना और उनकी स्थानीय समस्याओं का त्वरित समाधान करना रहा। इस दौरान बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं।शिविर में नोडल अधिकारी और अपर जिलाधिकारी नैनीताल शैलेन्द्र नेगी ने जनता की शिकायतों को सुना। कार्यक्रम में विभिन्न सरकारी विभागों के स्टॉल लगाए गए थे, जहां अधि कारियों और कर्मचारियों ने नागरिकों को विभागीय योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। शिविर के दौरान कुल 56 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनका मौके पर ही संबंधित विभागों के माध्यम से

निस्तारण कर दिया गया। इसके अलावा 224 लाभार्थियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ प्रदान करते हुए उन्हें लाभान्वित किया गया।इस अवसर पर दर्जा मंत्री शान्ती महरा और भीमताल के ब्लॉक प्रमुख डॉ. हरीश सिंह विष्ट ने भी जनता को संबोधित किया और सरकार की उपलब्धियों की जानकारी दी। शिविर में जिला पंचायत सदस्य, न्याय पंचायत ओखलढुंगा के समस्त ग्राम प्रध ान, क्षेत्र पंचायत सदस्य सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय जनता मौजूद रही। अधिकारियों ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि सरकार का प्रयास है कि किसी भी व्यक्ति को अपने छोटे-छोटे कार्यों के लिए दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़ें और उन्हें गांव में ही न्याय मिल सके।

जनरेटर की चपेट में आकर बैंड कर्मी की मौत

रुद्रपुर। शनिवार को एक बड़ा हादसा हो गया, जिसमें तासा बजाने वाले बैंड कर्मी की जनरेटर स्टार्ट करने वाले हत्थे में फँसकर मौत हो गई। हादसे से मौके पर अफरातफरी मच गई और बैंड के अन्य सदस्यों में मातम छा गया।घटना डीडी चौक के पास हुई, जहां शोभायात्रा में शामिल मोनू (20) चंदौसी, जिला संभल (उत्तर प्रदेश) तासा बजाते हुए आगे बढ़ रहा था। इसी दौरान पीछे चल रहे जनरेटर के हत्थे में उसका कपड़ा फंस गया। और तेजी से घूम रहे हत्थे की चपेट में मोनू अचानक फँस गया और घायल हो गया।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसा इतना अचानक हुआ कि किसी को संभलने का मौका नहीं मिला। घायल युवक को उठाकर जिला अस्पताल पहुँचाया। हालांकि डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। साथियों ने बताया कि मोनू कुछ समय पहले ही इस बैंड के साथ काम करने आया था और बेहद मेहनती व शांत स्वभाव का था। पुलिस टीम ने अस्पताल पहुँचकर पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के कारणों की जांच की जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जनरेटर और भारी उपकरणों के संचालन के दौरान सावध ानी बरतना बेहद जरूरी है ताकि इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

उत्तराखंड के स्वाद को ‘लोकल से ग्लोबल’ बनाने का आह्वान

मुख्यमंत्री धामी का शेफ समुदाय से संवाद, सभी होटलों के मेन्यू में पारंपरिक उत्तराखंडी व्यंजन करें शामिल

देहरादून (उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आम्रपाली विश्वविद्यालय परिसर से आयोजित श्रीअन्न आधारित “शेफ संवाद” कार्यक्रम में मुख्यमंत्री आवास से वर्चुअल माध्यम से सहभागिता की। इस अवसर पर देश के विभिन्न हिस्सों से जुड़े युवा शेफ, होटल एवं पर्यटन क्षेत्र के विशेषज्ञ, शिक्षाविद् एवं छात्र बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य उत्तराखंड के पारंपरिक व्यंजनों, श्रीअन्न आधारित खानपान और इससे जुड़े रोजगार व पर्यटन अवसरों पर सार्थक संवाद स्थापित करना रहा।कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी से युवा शेफ्स ने उत्तराखंड के पारंपरिक भोजन के प्रचार-प्रसार, गुणवत्ता मानकों, सरकारी प्रयासों और इस क्षेत्र में करियर की संभावनाओं को लेकर अनेक प्रश्न किए। शेफ शक्ति प्रसाद के प्रश्न का उत्तर देते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा सभी होटलों के मेन्यू में उत्तराखंड के पारंपरिक व्यंजनों को शामिल करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री आवास तथा विभिन्न सरकारी कार्यक्रमों में मेहमानों को उत्तराखंड का पारंपरिक भोजन प्राथमिकता से परोसा जाता है, जिससे स्थानीय व्यंजनों को सम्मान और पहचान मिल सके।शेफ संजीव जुयाल द्वारा उत्तराखंड के सभी शेफों को एक साझा मंच पर लाने के संबंध में पूछे गए प्रश्न पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इस दिशा में पर्यटन विभाग को एक समग्र प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए जाएंगे, ताकि राज्य के शेफ समुदाय को एक अंब्रेला प्लेटफॉर्म के तहत जोड़ा जा सके और उन्हें राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अवसर मिल सकें।वहीं, शेफ सुनील उपाध्याय द्वारा पारंपरिक उत्तराखंडी भोजन की शुद्धता, प्रमाणिकता और मानक तय करने को लेकर पूछे गए प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने अवगत कराया कि सरकार इस विषय पर गंभीरता से कार्य कर रही है। पारंपरिक व्यंजनों की गुणवत्ता बनाए रखने, उनकी पहचान संरक्षित करने और मानकीकरण की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं, ताकि उत्तराखंड के स्वाद की मौलिकता बनी रहे।उत्तराखंड के पारंपरिक भोजन में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यटन विभाग और कौशल विकास विभाग मिलकर इस दिशा में योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रहे हैं। सरकार का

लक्ष्य है कि युवा स्थानीय संसाधनों और पारंपरिक ज्ञान के आधार पर स्वरोजगार एवं उद्यमिता की ओर अग्रसर हों।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री धामी ने कहा कि यह संवाद केवल भोजन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उत्तराखंड की संस्कृति, परंपरा और पहचान से जुड़ा हुआ है। उन्होंने सभी शेफ साथियों, होटल एवं पर्यटन क्षेत्र से जुड़े विषय विशेषज्ञों का स्वागत करते हुए आम्रपाली विश्वविद्यालय और उसकी पूरी टीम को इस विचारशील और सार्थक “शेफ संवाद” कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए बधाई दी।मुख्यमंत्री ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड संस्कारों, संस्कृति और विविध व्यंजनों की भूमि है। यहां के व्यंजन पहाड़ों की जीवनशैली, परंपराओं और आत्मा की कहानी कहते हैं। आज का पर्यटक केवल प्राकृतिक सौंदर्य ही नहीं, बल्कि स्थानीय संस्कृति और खानपान का अनुभव भी करना चाहता है। ऐसे में शेफों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है, क्योंकि वे स्थानीय स्वाद के माध्यम से राज्य की पहचान को वैश्विक मंच तक पहुंचाते हैं। मुख्यमंत्री ने अप्रत्यक्ष रूप से यह भी कहा कि आज का शेफ केवल रसोई तक सीमित नहीं है, बल्कि वह संस्कृति का संवाहक, पर्यटन का ब्रांड एम्बेसडर और रोजगार सृजन का माध्यम बन चुका है। उत्तराखंड के पर्यटन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में स्थानीय व्यंजनों, आतिथ्य परंपरा और शेफ समुदाय का योगदान अतुलनीय है।श्रीअन्न पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह केवल भोजन या फसल नहीं, बल्कि उत्तराखंड के समग्र विकास का सशक्त माध्यम बन रहा है। श्रीअन्न के माध्यम से गांव, किसान और समाज का अंतिम व्यक्ति विकास की मुख्यधारा से जुड़ रहा है। मंडुवा, झंगोरा, कोदा और रामदाना जैसी फसलें कम पानी में उगने वाली, पोषक तत्वों से भरपूर और किसानों की आय बढ़ाने वाली हैं, जो उत्तराखंड की जलवायु और मिट्टी के अनुकूल हैं।मुख्यमंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज श्रीअन्न के क्षेत्र में विश्व का मार्गदर्शन कर रहा है। भारत वैश्विक स्तर पर मोटे अनाज का सबसे बड़ा उत्पादक है और कुल वैश्विक उत्पादन में लगभग 38.4 प्रतिशत योगदान देता है। बदलती वैश्विक खाद्य प्राथमिकताओं के बीच फूड प्रोसेसिंग, हेल्थ फूड, होटल, कैफे, होम-स्टे और फूड स्टार्टअप जैसे क्षेत्रों में युवाओं के लिए व्यापक संभावनाएं हैं।राज्य सरकार की सोच को स्पष्ट करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड का युवा अब नौकरी मांगने वाला नहीं, बल्कि नौकरी देने वाला बने। पलायन निवारण आयोग की रिपोर्ट का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि हाल के वर्षों में लगभग 44 प्रतिशत युवा देश के विभिन्न हिस्सों से उत्तराखंड वापस लौटे हैं, जो राज्य में बढ़ते अवसरों का प्रमाण है।कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री ने शेफ समुदाय से विशेष आग्रह करते हुए कहा कि सभी मिलकर उत्तराखंड के पारंपरिक व्यंजनों को “लोकल से ग्लोबल” बनाने की दिशा में कार्य करें। उनकी रचनात्मकता और प्रस्तुति उत्तराखंड के स्वाद को दुनिया की थाली तक पहुंचा सकती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि “शेफ संवाद” से निकले विचार उत्तराखंड को पर्यटन, रोजगार और संस्कृति के क्षेत्र में एक नए विजन के साथ आगे बढ़ाने में सहायक सिद्ध होंगे और उत्तराखंड को सशक्त, आत्मनिर्भर व गौरवशाली राज्य बनाने का संकल्प अवश्य पूरा होगा।इस अवसर पर विधायक श्री बंशीधर भगत, आम्रपाली विश्वविद्यालय से श्री संजय मिश्रा सहित देश भर से आए अनेक प्रतिष्ठित शेफ उपस्थित रहे।

बटालियन जवानों के लिए स्ट्रेस मैनेजमेंट कार्यशाला आयोजित

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत डॉ0 ईश कुमार डल्ला (साइकेट्रिस्ट). जिला चिकित्सालय द्वारा कमांडेंट कार्यालय, 15वीं बटालियन राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल भारत सरकार (गृह मंत्रालय) गदरपुर में स्ट्रेस मैनेजमेंट कार्यशाला आयोजित किया गया। कार्यशाला में तनाव के कारण जैसे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य समस्याए, काम का दबाव या असंतोषजनक काम का वातावरण, संबंधों में समस्या, आर्थिक समस्याएं, अनिश्चितता और भविष्य की चिंता के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा की गयी ए तनाव के लक्षण के बारे में जैसे तनाव, बेचैनी और चिंता, नींद की समस्या, ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई, शारीरिक समस्याएं जैसे सिरदर्द, पेट की समस्या आदि, मूड में बदलाव विस्तारपूर्वक जानकारी दी गयी।डॉ0 ईश कुमार डल्ला द्वारा तनाव को कम करने के लिए उपाय जैसे सांस लेने के व्यायाम, मेडिटेशन और योग, सकारात्मक सोच, सामाजिक समर्थन, स्वस्थ आहार: स्वस्थ आहार लें और पर्याप्त नींद लेने के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि इससे आपका बिताने से तनाव कम होता है ए डॉ0 ईश द्वारा मानसिक तनाव अथवा तनाव होने के मुख्य कारण एवं इससे होने वाले रोगों की जानकारी देते हुए निदान के बारे तथा मानसिक तनाव से सामाजिक, आर्थिक स्थापित करना चाहिए। नशे से होने वाले नुकसान एवं जीवन शैली में होने वाले प्रभाव के बारे में अधिकारी एवं कार्मिको को जागरूक रहने तथा मानसिक स्वास्थ्य का मजबूत होना जरुरी है ए किसी भी

शरीर और मन स्वस्थ रहेगा, व्यायाम: नियमित व्यायाम इत्यादि माध्यम से तनाव को कम किया जा सकता है ए सामाजिक समर्थन: दोस्तों और परिवार के साथ समय बिताने से तनाव कम होता है। उन्होंने कहा मोबाइल और कंप्यूटर का उपयोग सीमित करने व प्रकृति में समय वयवहारिक अन्य रूप से होने वाली क्षति के बारे में जानकारी दी गयी ए कार्यशाला में 15वीं बटालियन के 110 अधिकारी एस0आई, एवं कार्मिको द्वारा प्रतिभाग किया गया ए डा. ईश ने कहा किसी भी मानसिक स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्या होने पर मनोचिकित्सक से परामर्श हेतु सम्पर्क मानसिक स्वास्थ्य समस्या/ नशे से सम्बंधित टेली-मानसिक स्वास्थ्य हेल्पलाइन टेली-मानस- नंबर 14416 और जिला चिकित्सालय स्थापित मानसिक स्वास्थ्य मानसिक स्वास्थ्य हेल्पलाइन 18001804078 निशुल्क सम्पर्क किया जा सकता है। इस अवसर पर 15वीं बटालियन राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल से संतोष कुमार (कमांडेंट), एन डी आर एफ,डॉ0 राजेंद्र जोशी (द्वि क अधि/मु.वेट.अधिकारी), डॉ0 प्रमेंद्र कुमार सिंह (द्वि.क. अधि./मुख्य चिकित्सा अधिकारी), डॉ0 मोहिनी आर्या (उप कमांडेंट/व. चि.अधि.), सुनील कुमार (उप कमांडेंट), रोहिताश्व: मिश्रा (उप कमांडेंट), दीपक भट्ट (उप कमांडेंट), मनोज जोशी (सहायक कमांडेंट/अभियंता), भूपेंद्र कोटनाला(सहायक कमांडेंट), राजकुमार एवं समस्त कमांडेंट/कार्मिक उपस्थित रहे।

जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार बहुद्देशीय शिविर आयोजित

विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर जनकल्याणकारी योजनाओं की दी गई विस्तृत जानकारियां,लगभग 1870 लोगों ने लिया शिविर का लाभ

किच्छा(उद संवाददाता)। जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार अभियान के अंतर्गत शनिवार को अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय की अध्यक्षता में रुद्रपुर ब्लॉक के न्याय पंचायत बरा के राजकीय इंटर कॉलेज में भव्य बहुद्देशीय शिविर आयोजित हुआ।मुख्य अतिथि पूर्व सांसद एवं दर्जा मंत्री बलराज पासी ने कहा कि जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार कार्यक्रम सरकार की प्राथमिकता है। इसलिए शिविर में प्राप्त शिकायतों व समस्याओं का तत्काल निस्तारण किया जाये। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने देश की जनता के लिए मूलभूत सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए अनेक महत्वपूर्ण योजनाओं पपर काम किया है। उन्होंने कहा कि हर घर में शौचालय, उज्जवला योजना से हर घर को गैस कनेक्शन, जन-धन बैंक खाते से जनकल्याणकारी योजनाओं से सीधे लाभार्थी के खाते में धनराशि पहुँचाना और अनेक प्रकार से लाभान्वित करने का काम मोदी सरकार ने किया।उन्होंने कहा कि इसी प्रकार राज्य में धामी सरकार भी कई जनकल्याणकारी योजनाएँ संचालित कर रही है। राज्य में सबके लिए आयुष्मान कार्ड की व्यवस्था की गयी है ताकि किसी को इलाज की कमी की परेशानी न हो। उन्होंने अधिकारियों को जनकल्याणकारी योजनाओं का पात्र व्यक्तियों को शत-प्रतिशत लाभ देने के विभाग द्वारा नि:शुल्क जाँच कर मरीजों को द्वारा भी वितरित की गई। शिविर में 253 शिकायती पत्र प्राप्त हुए जिसमे से 137 शिकायतो का मौके पर ही निस्तारण किया गया। शिविर में लगभग 1870 लोगो ने लाभ लिया। शिविर में कुल 835 लोगो का स्वास्थ्य परीक्षण/ दवाई वितरण विभाग द्वारा 12 पेंशन फार्म भरवाये गये, 02 दिव्यांग बस पास जारी, 01 शादी अनुदान, 15 विधवा फार्म भरवाये गये। खाद्य पूर्ति विभाग द्वारा 174 लोगों को लाभान्वित किया गया, श्रम विभाग द्वारा 09 ई-श्रम कार्ड, 35 लोगों को टूल किट, कम्बल, छाता वितरण, 03 लोगों को गया। यूसीसी पंजीकरण 02, पंचायती राज विभाग द्वारा 93 लोगों को लाभान्वित किया गया, जाति-आय, स्थाई 115, 03 उत्तरजीवी, चरित्र प्रमाण पत्र 07, 10 दाखिल खारिज, विरासतन 21, नये आधार कार्ड 18, आधार अपग्रेडेशन 88, विधुत विभाग द्वारा 05 शिकायतें प्राप्त हुई और जानकारिया दी गयी, शिक्षा विभाग द्वारा 42 बच्चों को साईकिल अनुदान के चेक वितरित किये गए, गन्ना विकास विभाग द्वारा 08, सैनिक कल्याण विभाग द्वारा 06, मत्स्य विभाग द्वारा 07, उद्यान विभाग द्वारा 20, पशुपालन विभाग द्वारा 81,

आयुर्वेदिक विभाग द्वारा 98, उरेड़ा विभाग द्वारा 14 एवं उद्योग विभाग द्वारा 35 लोगों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया गया, सहकारिता विभाग द्वारा 07 आवेदन प्राप्त हुए, 02 व्यक्तियों को लाभान्वित किया गया एवं 04 लोगों को विभिन्न प्रमाण पत्र जारी किये गए।शिविर में ब्लॉक प्रमुख रीना गौतम, जिलाध्यक्ष भाजपा कमल जिंदल, प्रभारी मंत्री प्रतिनिधि जीतेन्द्र कुमार

निर्देश दिए। शिविर में अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा मौके पर आवेदन प्राप्त पंजीकरण किया गया व अनेक पात्र लाभार्थियों को तत्काल लाभान्वित भी किया गया।शिविर में 25 विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारियां दी गई। स्वास्थ्य किया गया। शिविर में 69 एक्सरे, 19 आयुषमान कार्ड, 20 छोटे बच्चों का टीकाकरण, 614 ओपीडी, 12 दिव्यांग प्रमाण पत्र वितरित किये गये। आयुष विभाग द्वारा 96 स्वास्थ्य परीक्षण, दवाई वितरण, होमोपैथिक द्वारा 140 स्वास्थ्य परीक्षण-दवाई वितरण, समाज कल्याण चिकित्सा जाँच, 10 पंजीयन कार्ड एवं 20 नवीनीकरण, बाल विकास विभाग द्वारा मातृ वंदन योजना के तहत 08 आवेदन, महालक्ष्मी किट वितरण 12, बच्चों का अन्नप्राशन 05, गर्भवती महिलाओं की गोद भराई 10, कृषि विभाग द्वारा 20 कृषकों को लाभान्वित किया 01 व्यक्ति को लाभान्वित किया गया, जल संस्थान विभाग द्वारा 02 शिकायतो का निस्तारण किया गया, सेवा योजना विभाग द्वारा 08 लोगों को लाभान्वित किया गया, एसडीआरीफ द्वारा 02, खेल विभाग द्वारा 15, वन विभाग द्वारा 40 लोगों को विभिन्न योजनाओं की गौतम, उपजिलाधिकारी गौरव पाण्डेय, तहसीलदार गिरीश चंद्र त्रिपाठी, नोडल अधिकारी/प्रभारी जीएम डीआईसी किरन गोस्वामी, समाज कल्याण अधिकारी,खंड विकास अधिकारी असीत आनंद तथा अन्य विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी व बड़ी संख्या में जनता मौजूद थे।

आकर्षक झांकियों के साथ निकली भव्य शोभा यात्रा

सिद्धेश्वर श्री बाला जी मंदिर धाम में आज रात्रि सजेगा दरबार

रूद्रपुर । सिद्धेश्वर श्री बाला जी मंदिर धाम का वार्षिक महोत्सव श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ धूमधाम से मनाया जा रहा है। कार्यक्रम के तहत मंदिर के महंत रमेश वशिष्ठ तथा ब्रजराज आचार्य अभिषेक वशिष्ठ के सानिध्य में विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों के पश्चात श्री बाला जी महाराज के जयघोषों के साथ सिद्धेश्वर श्री बाला जी मंदिर धाम से शोभा यात्रा प्रारम्भ हुई। शोभा यात्रा में श्री बाला जी महाराज का भव्य दरबार आकर्षण का केन्द्र बना हुआ था। साथ ही श्री राम दरबार, शिव तांडव, लोक कालिया अखाड़ा, राधा कृष्ण रासलीला आदि की प्रस्तुतियों ने भी लोगों को अपनी ओर खासा आकर्षित किया। महंत रमेश वशिष्ठ व ब्रजराज आचार्य अभिषेक वशिष्ठ सहित कार्यक्रम अध्यक्ष संजय राजपूत, महामंत्री मिंटू शर्मा, शुभम के भजन करते जा रहे थे। शोभा यात्रा का मार्ग में अनेक स्थानों पर बाबा भक्तों द्वारा पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया और रोडवेज स्टेशन, इन्द्रा चौक, नैनीताल रोड़, नगर निगम, अम्बेड़कर चौक, मुख्य बाजार, भगत सिंह चौक होते हुए गल्ला वितरित किया गया। शोभा यात्रा में विधायक शिव अरोरा, महापौर विकास शर्मा, पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल, सुनील बबली देवी, आरती बोहरा, नीलम तिवारी, सुशील यादव, विक्की मुंजाल, संजय जुनेजा, हरीश अरोरा, महेश अमित अरोरा, मनीष सिंघल, हरीश गुम्बर, नागेन्द्र शर्मा, प्रमोद शर्मा, धीरेन्द्र मिश्रा, सुवेग सिंह, भूमि देवी, सहित हजारों की संख्या में बाबा भक्त शामिल थे। सिद्धेश्वर श्री बाला जी मंदिर धाम में आज 18 जनवरी को मंदिर में सायं 6 बजे से विशाल भण्डारा वितरित किया जायेगा। जिसके पश्चात रात्रि 9 बजे से भव्य श्री बाला जी दरबार सजाया जायेगा। जिसमें मुम्बई की अंजली सागर, दिल्ली के रितिक गुप्ता, पंजाब के मन्नी सिंह और श्री बांके बिहारी मंदिर के मुख्य सेवाधिकारी श्री अनन्त गोस्वामी महाराज द्वारा श्री बाला जी महाराज के भजन गाकर उनकी महिमा का गुणगान किया जायेगा। महंत रमेश वशिष्ठ व ब्रजराज आचार्य अभिषेक वशिष्ठ सहित कार्यक्रम अध्यक्ष संजय राजपूत, महामंत्री मिंटू शर्मा, शुभम वशिष्ठ, मयंक वशिष्ठ

वशिष्ठ, मयंक वशिष्ठ आदि ने सभी गणमान्य अतिथियों को पगड़ी पहनाकर व पटका ओढ़ाकर स्वागत किया। हाथों में श्री बाला जी महाराज की ध्वजा थामें हजारों बाबा भक्त श्री बाला जी महाराज शोभा यात्रा में शामिल बाबा भक्तों को प्रसाद वितरित किया। शोभा यात्रा सिद्धेश्वर श्री बाला जी मंदिर धाम से प्रारम्भ होकर श्री बाला जी द्वार, काशीपुर बाईपास रोड़, अग्रसेन चौक, डीडी चौक, मंडी पहुची। यहां से शोभा यात्रा सुभाष कालोनी, काशीपुर बाईपास रोड़ होते हुए देर सायंकाल वापस सिद्धेश्वर श्री बाला जी मंदिर धाम में सम्पन्न हुई। जिसके पश्चात सभी बाबा भक्तों को प्रसाद ठुकराल, अजय अग्रवाल, संजीव शर्मा, इन्द्रेश मिश्रा, गुरमीत सिंह, हरीश अरोरा, पवन गाबा, सरिता गाबा, मान सिंह ग्रोवर, नरेश ग्रोवर, बिट्टू ग्रोवर, मुलखराज ठुकराल, विजय फुटेला, बब्बर, ओमप्रकाश अरोरा, पवन गाबा, ललित बिष्ट, मुकेश वशिष्ठ, मयंक कक्कड़, उमा नागर, कमलावती, हेमा देवी, विश्वनाथ शर्मा, प्रियांशु वशिष्ठ, दर्श वशिष्ठ, ध्रुव वशिष्ठ, राजीव गुप्ता, आदि ने सभी बाबा भक्तों के साथ ही सभी श्रद्धालुओं से उपरोक्त सभी कार्यक्रमों में सपरिवार शामिल होकर श्री बाला जी महाराज का आर्शीवाद प्राप्त करने का आव्हान किया है।

एसआईटी चीफ नीलेश भरणे ने खंगाला क्राइम सीन

सुखवंत आत्महत्या प्रकरण की जांच हुई तेज, केस उधमसिंह नगर से काठगोदाम ट्रांसफर

हल्द्वानी(उद संवाददाता)। बहुचर्चित सुखवंत सिंह आत्महत्या प्रकरण की जांच के लिए गठित एसआईटी के अध्यक्ष और आईजी एसटीएफ नीलेश आनन्द भरणे ने टीम के साथ शनिवार को काठगोदाम पहुंचकर घटनास्थल का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान एफएसएल टीम के माध्यम से मौके से महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए गए और प्रकरण से जुड़े स्वतंत्र गवाहों के बयान दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए आईजी नीलेश आनन्द भरणे ने स्पष्ट किया है कि विवेचना पूरी तरह तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर निष्पक्ष रूप से आगे बढ़ाई जा रही है।जांच की पारदर्शिता बनाए रखने के लिए एसआईटी अध्यक्ष ने ऊधमसिंहनगर पुलिस कार्यालय, थाना आईटीआई और चौकी पैगा सहित अन्य संबंधित शाखाओं में मौजूद सभी अभिलेखों और दस्तावेजों को तत्काल संरक्षित करने के निर्देश दिए हैं। प्रकरण में किसी भी प्रकार के बाहरी हस्तक्षेप को रोकने के लिए एसआईटी के अलावा स्थानीय पुलिस को पीड़ित परिवार या गवाहों से अनावश्यक संपर्क न करने की हिदायत दी गई है। इसके साथ ही पीड़ित परिवार और गवाहों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उनके आवास पर अन्य जनपदों से पुलिस गार्द की तैनाती की जा रही है, ताकि सुरक्षा व्यवस्था में स्थानीय पुलिस का दखल न रहे।जांच को वैज्ञानिक और तकनीकी रूप से मजबूत बनाने के लिए एसआईटी में छह अन्य पुलिसकर्मियों को भी शामिल किया गया है। इसमें उप निरीक्षक हेमन्त कठैत, उप निरीक्षक सोनू सिंह, उप निरीक्षक राधिका भण्डारी, हेड कांस्टेबल विनोद यादव, हेड कांस्टेबल कमल कुमार और कांस्टेबल गिरीश भट्ट को तकनीकी विश्लेषण की जिम्मेदारी सौंपी गई है। शनिवार देर शाम एसआईटी ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उन्हें निष्पक्ष जांच का भरोसा दिलाया। एसआईटी चीफ ने बताया कि मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए थाना आईटीआई में पंजीकृत एफआईआर को अब थाना काठगोदाम स्थानांतरित किया जा रहा है और जल्द ही इस मामले में सख्त वैधानिक कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

लापता किशोरी यूपी से बरामद कर आरोपी पकड़ा

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। ट्रांजिट कैम्प कोतवाली क्षेत्र से बीते दिनों एक लापता किशोरी को पुलिस ने उत्तर प्रदेश से बरामद कर आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मोहन चन्द्र पाण्डे ने बताया कि 10 जनवरी को थाना ट्रांजिट कैंप निवासी एक महिला ने सूचना दर्ज कराई कि 9 जनवरी को उनकी नाबालिग बेटी घर से बिना बताए चली गई है। जिसके आधार पर पुलिस ने नाबालिग की बरामदगी को टीम गठित की। टीम द्वारा गुमशुदा नाबालिग को थाना भोट जिला रामपुर क्षेत्र से बरामद किया गया। नाबालिग की गुमशुदगी में प्रकाश में आए फरार अभियुक्त समरजीत उर्फ समर पुत्र लल्लू निवासी ग्राम सिरोधी अंगदपुर, थाना मीरगंज, बरेली हाल निवासी शिवनगर थाना ट्रांजिट कैंप को ग्राम मनकरा थाना भोट रामपुर उप्र से गिरफ्तार किया गया। पुलिस टीम में उप निरीक्षक मनोज कुमार व हेड कॉस्टेबल अनिल कुमार शामिल थे।

सिरौलीकलां में पूर्व विधायक राजेश शुक्ला का जोरदार स्वागत

नगर पालिका क्षेत्र में शामिल ग्राम सभाओं को स्वामित्व योजना का लाभ मिलने पर जताया आभार

किच्छा।प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा किच्छा नगर पालिका क्षेत्र के विस्तार में सम्मिलित ग्राम सभाओं को केंद्र सरकार की स्वामित्व योजना का लाभ प्रदान किए जाने के ऐतिहासिक निर्णय पर सिरौलीकला में आयोजित भव्य कार्यक्रम में पूर्व विधायक राजेश शुक्ला का सिरौलीवासियों ने जोरदार स्वागत किया तथा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक राजेश शुक्ला ने कहा कि केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी स्वामित्व योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों की पुरानी आबादी में निवास कर रहे लोगों को उनके आवासीय भूखंडों का वैधानिक मालिकाना हक प्रदान करना है, जिससे उन्हें सामाजिक, आर्थिक और कानूनी रूप से सशक्त बनाया जा सके। कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जनभावनाओं को समझते हुए इस महत्वपूर्ण विषय पर संवेदनशील और दूरदर्शी निर्णय लिया। प्रदेश सरकार ने नगर पालिका क्षेत्रों के विस्तार में शामिल हुए ग्रामीण क्षेत्रों को भी स्वामित्व योजना का लाभ देने का निर्णय किया और इसके तहत प्रदेश की चार नगर पालिकाओं को प्रथम चरण में शामिल किया गया, जिनमें कुमाऊं मंडल से अल्मोड़ा एवं किच्छा नगर पालिका को विशेष रूप से स्थान दिया गया है। किच्छा नगर पालिका के विस्तार में शामिल बंडीया, देवरिया, आजादनगर एवं सिरौलीकला के निवासियों को अब स्वामित्व योजना का प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। इन क्षेत्रों में सर्वेक्षण एवं आवश्यक प्रक्रियाओं का कार्य नगर पालिका द्वारा प्रारंभ कर दिया गया है, जिससे शीघ्र ही पात्र नागरिकों को उनके आवासीय भूखंडों के स्वामित्व संबंधी दस्तावेज उपलब्ध कराए जा सकेंगे। पूर्व विधायक राजेश शुक्ला ने कहा कि यह निर्णय आम नागरिकों के वर्षों पुराने सपने को साकार करने की दिशा में एक ठोस कदम है। इससे लोगों को बैंक ऋण, सरकारी योजनाओं का लाभ, तथा कानूनी सुरक्षा प्राप्त होगी। उन्होंने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार निरंतर "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास" के मूल मंत्र के साथ कार्य कर रही है। कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीणों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी जी के इस जनहितकारी निर्णय की सराहना करते हुए कहा कि यह कदम ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के बीच की खाई को पाटने वाला है और आमजन के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष हारून मलिक, जीसान मलिक, गुड्डू मलिक, सैयद गुड्डू मियां, हाजी नासिर खान, गज्जन खा, अफसार खा, नासिर अंसारी, अखलाक अहमद, अबरार खा, हाजी अतर,ताहिर सकलानी,अफाक सकलानी, अफजाल मलिक, माजिद मंसूरी, तौफीक अहमद, रईस मलिक, इदरीस मलिक, डॉ जफर, शहजाद, अख्तर मियां, इकराम मियां, इफ्तिखार मियां, अबरार खान, ताहिर मलिक, शकील खान, इम्तियाज हुसैन, जाकिर अली, आरिफ मोहम्मद, यासीन मलिक, युसूफ खान आदि समेत सैकड़ो ग्रामवासी उपस्थित थे।

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

जीवाश्म ईंधन का उपयोग

जीवाश्म ईंधन के अंधाधुंध इस्तेमाल से बढ़ते जलवायु संकट के बीच पूरी दुनिया में स्वच्छ ईंधन की जरूरत महसूस की जाने लगी है। मगर इस दिशा में प्रयास बहुत कम हो रहे हैं। स्वच्छ ईंधन और नवीकरणीय ऊर्जा को लेकर योजनाएं तो बन रही हैं, लेकिन उनके क्रियान्वयन की गति बेहद धीमी है, जबकि जीवाश्म ईंधन पर अब भी ज्यादा जोर दिया जा रहा है। इससे स्पष्ट है कि जलवायु परिवर्तन को लेकर वैश्विक स्तर पर चिंता तो है, लेकिन इससे निपटने के उपायों पर गंभीरता से काम नहीं हो पा रहा है।विश्व आर्थिक मंच की ओर से हाल में जारी एक रपट में भी इसका उल्लेख किया गया है। इसमें कहा गया है कि स्वच्छ ईंधन से जुड़े लक्ष्यों को हासिल करने के लिए वर्ष 2030 तक निवेश को चार गुना बढ़ा कर सालाना सौ अरब डालर करने की आवश्यकता है। जाहिर है कि अगर इस तरह की चेतावनियों और सुझावों को गंभीरता से नहीं लिया गया, तो भविष्य में इसके भयावह परिणाम सामने आ सकते हैं।गौरतलब है कि दुनिया भर में इस समय स्वच्छ ईंधन पर सालाना करीब पच्चीस अरब डालर ही निवेश हो रहा है। दरअसल, स्वच्छ ईंधन को लेकर दावे तो बहुत किए जाते हैं, लेकिन इससे संबंधित योजनाओं की लागत अधिक होने से कई देश पीछे हट जाते हैं। वहीं सबसे अधिक कार्बन उत्सर्जन कर रहे विकसित देश खुद इसमें कटौती करने के बजाय छोटे और विकासशील देश पर नाहक दबाव बनाते रहे हैं। ऐसे में स्वच्छ ईंधन को साझा प्रयासों से प्रोत्साहित करने का वैश्विक लक्ष्य कहीं पीछे छूट जाता है। इसमें दोराय नहीं कि जलवायु संकट से निपटने की दिशा में स्वच्छ ईंधन अहम भूमिका निभा सकता है। इसके इस्तेमाल से उद्योगों और परिवहन क्षेत्र में बढ़ते उत्सर्जन को धीरे-धीरे कम किया जा सकता है। लिहाजा स्वच्छ ईंधन के इस्तेमाल के लक्ष्य को जमीन पर उतारने के लिए न केवल भरोसेमंद और निवेश-योग्य परियोजनाएं बनानी होंगी, बल्कि उन्हें सख्ती से लागू भी करना होगा। जीवाश्म ईंधन के निरंतर इस्तेमाल से पूरी दुनिया में वायु प्रदूषण की समस्या भी गंभीर होती जा रही है। इस संकट से बचने के लिए स्वच्छ ईंधन और नवीकरणीय ऊर्जा ही बेहतर विकल्प है।

कई विधायकों में फिर जगी कैबिनेट विस्तार की उम्मीद

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी आज दिल्ली दौरे पर रहेंगे। मुख्यमंत्री के इस दौरे को लेकर सियासी गलियारों में चर्चाएं फिर तेज हो गई हैं। खासतौर पर धामी कैबिनेट के संभावित विस्तार को लेकर राजनीतिक हलकों में हलचल बढ़ गई है। सूत्रों की मानें तो मुख्यमंत्री का यह दौरा संगठन और सरकार दोनों ही स्तर पर अहम माना जा रहा है। लंबे समय से मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं, जो अब दिल्ली दौरे के बाद और तेज हो गई हैं। माना

जा रहा है कि जल्द ही मंत्रिमंडल का विस्तार हो सकता है और कुछ नए चेहरों को कैबिनेट में जगह मिल सकती है।सीएम के दिल्ली प्रवास से राज्य के कई विधायकों में भी उम्मीद जगी है। कई विधायक लंबे समय से मंत्री पद की दौड़ में शामिल माने जा रहे हैं और अब उन्हें लग रहा है कि उनका इंतजार खत्म हो सकता है। वहीं संगठन स्तर पर भी संभावित फेरबदल की चर्चाएं जोरों पर हैं। हालांकि, कैबिनेट विस्तार को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

दून मेडिकल कॉलेज में रैगिंग : सीनियर छात्रों ने जूनियर को बुरी तरह पीटा

देहरादून। देहरादून के सरकारी मेडिकल कॉलेज से रैगिंग और मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि सीनियर छात्रों ने जूनियर को बुरी तरह पीटा है। पीड़ित ने मेडिकल कॉलेज प्रबंधन और चीफ वार्डन को इस बारे में पत्र लिखकर जानकारी दी है। दून मेडिकल कॉलेज में सीनियर छात्रों द्वारा जूनियर के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। जूनियर छात्र ने अपने सीनियर्स पर बेल्ट और जूतों से पीटने का आरोप

लगाया है। साथ ही बताया कि उसके बाल भी जबरन काटने की कोशिश की गई। पीड़ित ने दून मेडिकल कॉलेज प्रबंधन और चीफ वार्डन को पत्र लिखकर इसकी जानकारी दी है। पत्र में पीड़ित 2025 बैच के छात्र ने बताया कि 2024 और 2023 बैच के छात्रों ने रैगिंग के नाम पर उसे बेल्ट और चप्पलों से बुरी तरह पीटा है। वहीं मेडिकल कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. गीता जैन ने बताया कि एंटी-रैगिंग कमेटी इस घटना की विस्तार से जांच कर रही है। कमेटी की रिपोर्ट आने के बाद दोषी छात्रों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। डिसिप्लिन कमेटी ने छात्रों के बयान दर्ज किए हैं। डॉ. गीता जैन ने साफ किया कि कॉलेज में अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आरोप सही पाए जाने पर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

राज्यपाल से मिले महासर्वेक्षक, सर्वेक्षण और मानचित्रण की आधुनिक तकनीकों पर हुई चर्चा

देहरादून (उद संवाददाता)। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) से शुक्रवार को लोक भवन में सर्वे ऑफ इंडिया, देहरादून के महासर्वेक्षक हितेश कुमार एस. मकवाना ने शिष्टाचार भेंट की। इस मुलाकात के दौरान प्रदेश में सर्वेक्षण, मानचित्रण और भू-स्थानिक तकनीकों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।भेंट के दौरान राज्यपाल ने कहा कि राज्य के समग्र विकास और आपदा प्रबंधन के लिए सटीक मानचित्रण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने जोर देकर कहा कि आधुनिक भू-स्थानिक तकनीकें न केवल आधारभूत संरचना के निर्माण में सहायक हैं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से भी इनका बड़ा महत्व है। उत्तराखंड जैसे पहाड़ी राज्य के विशेष भौगोलिक परिदृश्य और यहाँ आने वाली प्राकृतिक चुनौतियों को देखते हुए राज्यपाल ने सर्वे ऑफ इंडिया की भूमिका की विशेष सराहना की।महासर्वेक्षक हितेश कुमार एस. मकवाना ने राज्यपाल को संस्थान द्वारा किए जा रहे विभिन्न कार्यों और वर्तमान में उपयोग की जा रही आधुनिक तकनीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने राज्य सरकार के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए भविष्य की योजनाओं और सर्वेक्षण कार्यों में तकनीकी सुधारों पर भी चर्चा की। इस शिष्टाचार भेंट के दौरान प्रदेश की भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप मैपिंग को और अधिक प्रभावी बनाने पर सहमति जताई गई।

जरूरी है परमाणु जवाबदेही बाधाओं से मुक्ति

आखिरकार नरेंद्र मोदी सरकार ने विपक्ष के तमाम विरोध और हंगामे के बावजूद 'शांति विधेयक-2025' अर्थात 'भारत परिवर्तन के लिए नाभिकीय ऊर्जा का सतत दोहन तथा उन्नयन विधेयक-2025' लोकसभा से पारित करा लिया। इस विधेयक का उद्देश्य परमाणु ऊर्जा अधिनियम 1962 और परमाणु क्षति के लिए नागरिक दायित्व अधिनियम 2010 को निरस्त करना है। दरअसल भारत ने 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा बनाने का लक्ष्य रखा है। इसे हासिल करने की दृष्टि से ऊर्जा विशेषज्ञों का मानना है कि इस बड़े लक्ष्य को प्राप्ती के लिए निजी कंपनियों का सहयोग जरूरी है। अकेली सरकारी संस्थाओं के बूते इस मकसद को पूरा करना मुमकिन नहीं है। अतएव इस नए विधेयक के आने से परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में बड़ा बदलाव लाने की उम्मीद की जा रही है। यह विधेयक परमाणु ऊर्जा के लिए एक सुरक्षित कानूनी ढांचा तैयार करेगा। फलस्वरूप निजी कंपनियां इस क्षेत्र में काम कर सकेंगी। इस क्षेत्र में अभी तक परमाणु ऊर्जा विभाग का ही कब्जा है। इस विधेयक के बाद अतिरिक्त बिजली उत्पादन, ग्रिड एकीकरण और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में तेजी से विकास होगा। नागरिक दायित्व अधिनियम (सीएलएनडीए) 2010 में दो महत्वपूर्ण संशोधन सरकार कर सकती है। इन दो संशोधनों को बड़े सुधारों के रूप में देखा जा रहा है। इस संशोधन के तहत परमाणु संयंत्रों को उपकरण सप्लाई करने वाली कंपनियों की जिम्मेदारी सीमित की जा सकती है। मसलन यदि कोई दुर्घटना होती है तो उनकी जिम्मेदारी अनुबंध की मूल राशि और एक निर्धारित समय तक ही सीमित रहेगी। इस परिप्रेक्ष्य में बतौर उदाहरण विदेशी कंपनी जैसे जीई-हिताची वेस्टिंग हाउस को इस कानून के कारण निवेश में हिचक होती रही है। दूसरा संशोधन परमाणु ऊर्जा अधिनियम 1962 में प्रस्तावित है। यह कानून फिलहाल केवल सरकारी स्वामित्व वाली कंपनियों को ही परमाणु संयंत्र चलाने की अनुमति देता है। इसे संशोधित किया जाता है तो निजी कंपनियों को भी परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के संचालन की अनुमति मिल जाएगी। इस परिवर्तन से विदेशी कंपनियों के लिए भविष्य के परमाणु प्रोजेक्ट में अंशिक हिस्सेदारी का द्वार खुल जाएगा। साफ है, ये उपाय हो जाते हैं तो परमाणु उत्पादन बढ़ने की संभावनाएं तो बढ़ जाएंगी, लेकिन स्वच्छ ऊर्जा और परमाणु दुर्घटना होने पर कंपनियों को नागरिक जवाबदेही से मुक्ति मिल जाएगी। याद रहे मनमोहन सिंह सरकार के प्रधानमंत्री रहते हुए भारत-अमेरिका के बीच हुए परमाणु समझौते के बाद जो राजनीतिक तूफान उठा था, उसके चलते संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन-1 सरकार गिरते-गिरते बची थी। दरअसल सरकार परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को बाधा मुक्त इसलिए करना चाहती है जिससे 2047 तक सौ गीगावाट परमाणु ऊर्जा के उत्पादन का लक्ष्य हासिल कर लिया जाए। इसी लक्ष्य पूर्ति के लिए सरकार परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी भागीदारी बढ़ाना चाहती है। इसीलिए 2024-25 के आम बजट में लघु परमाणु संयंत्रों के लिए सरकार ने बड़े बजट का प्रावधान किया था। इस क्षेत्र में नया प्रयोग करते हुए पहली बार निजी कंपनियों को लघु परमाणु संयंत्र समूचे देश में स्थापित करने का अवसर दिया जाएगा। कालांतर में विदेशी कंपनियों को भी परमाणु संयंत्र लगाने की अनुमति दी जा सकेगी। साथ ही मॉड्यूलर (प्रतिरूपक) रिएक्टर के आधुनिकीकरण के लिए शोध और विकास पर भी धनराशि खर्च की जाएगी। जिससे परमाणु ऊर्जा में नई प्रौद्योगिकी का विकास हो, इसे पीपीपी मॉडल पर क्रियांवित किया जाएगा। इसका उद्देश्य देश में स्वच्छ एवं वैकल्पिक बिजली को बढ़ावा देना है। फरवरी 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका यात्रा पर गए थे, तब भारत में छोटे परमाणु संयंत्र लगाने और भारत में ही उत्पादन करने का समझौता हुआ था। एआई के दौर में ऊर्जा की खपत असाधारण रूप से बढ़ने की उम्मीद है। यह एक कंप्यूटर की भाषा का कृत्रिम बुद्धि से जुड़ा मॉडल है। भाषा मॉडल ऐसे मशीन लर्निंग मॉडल हैं, जो मानव भाषा के पाठ को समझ सकते है और सृजित भी कर सकते हैं। ये मॉडल भाषा के बड़े डेटा भंडार का विश्लेषण करने पर भी सक्षम होते हैं। सुपर और क्वांटम कंप्यूटर में इसी एआई की जरूरत पड़ेगी। इसके लिए परमाणु ऊर्जा की जरूरत लघु परमाणु संयंत्रों से ही संभव हैं। स्वच्छ ऊर्जा के उत्पादन में इसे क्रांतिकारी पहल माना जा रहा है। विकसित भारत के लिए ऊर्जा की उपलब्धता एक बड़ी जरूरत है। इसलिए सरकार सिर्फ पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भर नहीं रहना चाहती है। ऑप्रेशन सिंदूर के बाद जिस तरह से हमारी सेना ने पाकिस्तान के आतंकी और गैर-सैन्य ठिकानों को ध्वस्त किया था, उन आयुधों के निर्माण और संचालन के लिए भी परमाणु ऊर्जा की जरूरत पड़ती है। इस परिप्रेक्ष्य में सौर और पवन ऊर्जा पर सरकार पहले ही काफी कुछ कर चुकी है। अतएव अब फोकस परमाणु ऊर्जा पर केंद्रित है। क्योंकि इसमें संभावनाएं अधिक हैं। आम बजट पेश करते हुए वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने ऊर्जा सुरक्षा को सरकार की नौ प्राथमिकताओं में गिनाया था। ऊर्जा बदलाव के संबंध में एक नीतिगत दस्तावेज तैयार करने की बात भी कही गई है। इससे यह तय होगा कि भारतीय अर्थव्यवस्था में किस तरह से पारंपरिक ऊर्जा की जगह धीरे-धीरे अपारंपरिक ऊर्जा के स्रोत का महत्व बढ़ रहा है। यह दस्तावेज ऊर्जा क्षेत्र में रोजगार, विकास और पर्यावरण से जुड़े मुद्दों का भी समाधान खोजेगा। अतएव इसी परिप्रेक्ष्य में निकेल, कोबाल्ट, तांबा और लिथियम जैसी धातुओं के उत्पादों के आयात पर शुल्क घटाया है। इन उत्पादों का प्रयोग परमाणु और सौर ऊर्जा के साथ दूसरे ऊर्जा उत्सर्जन उपायों में भी होता है। आयात सस्ता होने से इनका निर्माण भारत में करने में आसानी होगी। यही नहीं परमाणु ऊर्जा, नवीनीकरण ऊर्जा और अंतरिक्ष एवं रक्षा क्षेत्रों में इस्तेमाल होने वाली 25 धातुओं पर सीमा शुल्क को पूरी तरह खत्म कर दिया गया है। यानी छोटे परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने के रास्ते साफ किए जा रहे हैं। भारत में एक ओर अर्से से अटकी परमाणु बिजली परियोजनाओं में विद्युत का उत्पादन शुरू हो रहा है, वहीं निजी निवेश से परमाणु ऊर्जा बढ़ाने के प्रयास हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने गुजरात के सूरत जिले के तापी काकरापार में 22,500 करोड़ रुपए की लागत से बने 700-700 मेगावाट बिजली उत्पादन के दो परमाणु ऊर्जा संयंत्र 22 फरवरी 2024 को राष्ट्र को समर्पित कर दिए हैं। ये देश के पहले स्वदेशी परमाणु ऊर्जा संयंत्र हैं। ये संयंत्र प्रतिवर्ष लगभग 10.4 अरब यूनिट स्वच्छ बिजली का उत्पादन करेंगे। जो गुजरात में बिजली की आपूर्ति के साथ अन्य प्रांतों को भी बिजली देंगे। ये संयंत्र शून्य कार्बन उत्सर्जन की दिशा में आगे बढ़ने की दृष्टि से मील का पत्थर साबित होंगे। भारत सरकार के उपक्रम परमाणु ऊर्जा निगम ने मध्यप्रदेश में चार नए परमाणु ऊर्जा संयंत्र लगाने की मंजूरी दी है। जल्दी ही ये संयंत्र नीमच, देवास, सिवनी और शिवपुरी में लगेंगे। सब कुछ सही रहा तो जल्दी ही इन परियोजनाओं पर काम शुरू हो जाएगा। इन संयंत्रों के शुरू हो जाने पर 1200 मेगावाट की अतिरिक्त बिजली पैदा होगी। भारत की परमाणु ऊर्जा क्षमता पिछले 10 साल में करीब दोगुनी हो चुकी है। 2031 तक इसके तीन गुना होने की उम्मीद है। हालांकि परमाणु ऊर्जा से उत्पन्न खतरों की आशंकाएं भी एकदम बेबुनियाद नहीं हैं। इसलिए परमाणु संयंत्रों की सुरक्षा भी एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। रूस के चेर्नोबिल और जापान के फुकुशिमा परमाणु संयंत्र में हादसे के बाद इस तरह की चिंताएं जरूरी हैं। क्योंकि वैज्ञानिक प्रगतियों के बावजूद प्राकृतिक आपदाओं के सामने हम बौने हैं। जापान में महज दस सेकेंड के लिए आई सुनामी नामक विराट आपदा ने फुकुशिमा की वैज्ञानिक उपलब्धियों को चकनाचूर कर दिया था। सृष्टि को संजीवनी देने वाले तत्व हवा, पानी और अग्नि जब न्यूनतम मर्यादाओं की सीमा लांघकर भीषण विराटता रचते हैं तो दसों दिशाओं में सिर्फ और सिर्फ विनाशलीला का मंजर दिखाई देता है। इसलिए जरुरी है कि परमाणु रिएक्टर प्रदायक कंपनियों को कड़ी शर्तो के तहत मुआवजे के प्रावधान निर्धारित हों या फिर बीमा कंपनियों को दुर्घटना की स्थिति में क्षतिपूर्ति से जोड़ा जाए। परमाणु बिजली संयंत्रों में ग्रेफाइट मॉडरेट के रुप में प्रयोग होता है। जिसमें पानी की बहुत थोड़ी मात्रा विलय करने से हाइडोजन और ऑक्सीजन के विखण्डन के समय बहुत अधिक तापमान के साथ उर्जा निकलती है। इस उर्जा का दबाव टर्बाइन को तीव्रतम गति से घुमाने का काम करता है। नतीजतन बिजली उत्पन्न होती है। रिएक्टरों के इस उच्चतम तापमान को एक सेंटीग्रेट तक काबू में रखने के लिए रिएक्टरों पर ठंडे पानी की निरंतर प्रबल धाराएं छोड़ी जाती हैं। हालांकि प्राकृतिक अथवा अन्य आपदा की स्थिति में ये परमाणु संयंत्र अचूक कंप्यूटर प्रणाली से संचालित व नियंत्रित होने के कारण खुद-ब-खुद बंद हो जाते हैं। लेकिन इस अवस्था में विरोधाभासी स्थिति यह होती है कि जल से हाइड्रोजन और ऑक्सीजन का नाभिकीय विखण्डन तो थम जाता है, किंतु रासायनिक प्रक्रियाएं और भौतिक दबाव एकाएक नहीं थमते। गोया, जलधारा का प्रवाह बंद होते ही रिएक्टरों का तापमान 5000 डिग्री सेंटीग्रेट से बढ़कर 10000 डिग्री सेंटीग्रेड तक पंहुच जाता है। यह तापमान जीव-जंतुओं को तो क्या स्टील जैसी ठोस धातु को भी पल भर में गला देता है। इस लिहाज से इन संयंत्रों के संभावित खतरों को एकाएक नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।

प्रमोद भार्गव,लेखक/ पत्रकार

टीएमयू हॉस्पिटल में पीडियाट्रिक्स विभाग की ऐतिहासिक उपलब्धि, नवजात को मिलीं सांसें

नवजात शिशु का नवीन तकनीक- थेरैप्यूटिक हाइपोथर्मिया के जरिए सफल उपचार किया

मुरादाबाद (उद संवाददाता)। तीर्थंकर महावीर हॉस्पिटल, मुरादाबाद के लिए चिकित्सा के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि मिली है। टीएमयू हॉस्पिटल में पहली बार जन्म के समय दम घुटने-बर्थ एस्फिक्सिया से पीड़ित नवजात शिशु का नवीन तकनीक- थेरैप्यूटिक हाइपोथर्मिया के जरिए सफल उपचार किया गया। इलाज के बाद अब शिशु पूरी तरह स्वस्थ होकर बिना किसी जटिलता के अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। थेरैप्यूटिक हाइपोथर्मिया सरीखी उन्नत सुविधा अब तक केवल बड़े महानगरों के चुनिंदा चिकित्सा केंद्रों में उपलब्ध थी। मुरादाबाद में इसका सफल प्रयोग होना पूरे पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। टीएमयू अस्पताल का यह प्रयास न केवल नवजात चिकित्सा में एक मील का पत्थर है, बल्कि मुरादाबाद को उन्नत स्वास्थ्य सेवाओं के मानचित्र पर एक नई पहचान भी दिलाता है। इस जटिल और संवेदनशील उपचार का नेतृत्व नियोनेटोलॉजिस्ट डॉ. अदिति रावत ने

किया। डॉ. रावत की टीम में पीडियाट्रिक्स की एचओडी डॉ. रूपा सिंह, प्रो. विवेक त्यागी, डॉ. सुरेन, डॉ. मयंक और डॉ. नव्या की महत्वपूर्ण भूमिका रही। डॉक्टरों की इस टीम ने चौबीस घंटे निगरानी रखते हुए शिशु को सुरक्षित और प्रभावी उपचार प्रदान किया।डॉक्टर्स के अनुसार, जन्म के तुरंत बाद शिशु को गंभीर अवस्था में नवजात गहन चिकित्सा इकाई- एनआईसीयू में भर्ती किया गया था। बर्थ एस्फिक्सिया एक अत्यंत गंभीर स्थिति होती है, जिसमें समय पर सही इलाज न मिलने पर शिशु के मस्तिष्क को स्थायी क्षति पहुंच सकती है। ऐसे चुनौतीपूर्ण समय में डॉक्टरों की टीम ने आधुनिक और वैज्ञानिक तकनीक थेरैप्यूटिक हाइपोथर्मिया का सहारा लिया। थेरैप्यूटिक हाइपोथर्मिया प्रक्रिया के तहत शिशु के शरीर को नियंत्रित रूप से ठंडा किया जाता है। इस उपचार में लगभग 72 घंटे तक शरीर का तापमान सावधानीपूर्वक कम रखा जाता है, जिससे मस्तिष्क की कोशिकाओं को होने वाले नुकसान को रोका जा सके। इसके बाद शिशु को- ग्रैजुअल रीवार्मिंग के जरिए धीरे-धीरे सामान्य तापमान पर लाया जाता है। यह पूरी प्रक्रिया अत्याधुनिक उपकरणों और विशेषज्ञों की सतत निगरानी में की जाती है। शिशु के माता-पिता ने भावुक होकर डॉक्टरों और अस्पताल प्रशासन का आभार व्यक्त किया और कहा कि उन्होंने उम्मीद खो दी थी, लेकिन डॉक्टरों की मेहनत, अनुभव और आधुनिक तकनीक ने उनके बच्चे को नया जीवन दिया।

गुप्त नवरात्रि 19 से 27 जनवरी तक विशेष साधना का उत्तम अवसर

माघ मास की गुप्त नवरात्रि 19 जनवरी 2026 से 27 जनवरी 2026 तक मनाई जाएगी। फलित ज्योतिषाचार्य लवकुश भरद्वाज (वास्तु शास्त्री) ने बताया कि गुप्त नवरात्रि तांत्रिक एवं सात्विक साधना का विशेष पर्व है। वर्ष में चार नवरात्रि आते हैं, जिनमें दो गुप्त नवरात्रि होती हैं। आमतौर पर लोग केवल शारदीय और चैत्र नवरात्रि के बारे में जानते हैं, जबकि गुप्त नवरात्रि में विशेष कामनाओं की सिद्धि के लिए साधक मां काली, तारा देवी, त्रिपुर सुंदरी, भुवनेश्वरी, छिन्नमस्ता, त्रिपुर भैरवी, धूमावती, बगलामुखी, मातंगी और कमला देवी की आराधना करते हैं। मान्यता है कि इस दौरान मनोकामना को गुप्त रखकर की गई पूजा का फल दोगुना प्राप्त होता है।ज्योतिषाचार्य लवकुश भरद्वाज ने बताया कि गुप्त नवरात्रि के नौ दिनों में संतान प्राप्ति, विवाह, नौकरी, कर्ज मुक्ति और बेहतर स्वास्थ्य जैसी कई विशेष कामनाओं की पूर्ति हेतु उपाय किए जाते हैं। संतान प्राप्ति के इच्छुक लोग

मां दुर्गा को प्रतिदिन पान का पत्ता अर्पित कर "ध नन्दगोपगृह जाता यशोदागर्भ सम्भवा, ततस्तौ नाशयिष्यामि विन्ध्याचलनिवासिनी" मंत्र का जाप करें। नौकरी में बाधा दूर करने के लिए दुर्गा मां को नौ दिन तक बताशे पर रखकर लौंग अर्पित कर "ध सर्वबाधा विनिर्मुक्तो धन धान्य सुतान्वित:, मनुष्यो मत्प्रसादेन भविष्यति न संशय:" मंत्र का जाप किया जाना चाहिए। स्वास्थ्य लाभ के लिए देवी को लाल पुष्प अर्पित कर " क्रीं कालिकायै नम:" मंत्र का जाप करने से लाभ मिलता है। वहीं कर्ज या किसी विवाद से मुक्ति पाने के लिए नवरात्रि के दौरान प्रतिदिन गुग्गल की सुगंध वाली धूप जलाकर "दुं दुर्गाय नम:" मंत्र का जाप करना उत्तम माना गया है। कन्या विवाह में बाधाएँ दूर करने के लिए मां को नौ दिनों तक पीले फूलों की माला अर्पित करते हुए " कात्यायनी महामाये, महायोगिनयधीश्वरी, नन्दगोपसुतं देवी, पति मे कुरु ते नम:" मंत्र का जाप विशेष फलदायी बताया गया है। ज्योतिष शास्त्र, वास्तुशास्त्र, वैदिक अनुष्ठान एवं धार्मिक कार्यों के लिए फलित ज्योतिषाचार्य लवकुश भारद्वाज (वास्तु शास्त्री) से 9401734395 और 9927846111 पर संपर्क किया जा सकता है।

चारधाम में मोबाइल ले जाने पर लगेगा बैन

देहरादून। उत्तराखंड सरकार ने चारधाम यात्रा 2026 की तैयारियां शुरू कर दी है। सरकार इस बार चारों धाम में मोबाइल ले जाने पर बैन लगाने की तैयारी कर रही है। यात्रा के दौरान मंदिरों की पवित्रता और मर्यादा बनाए रखने के लिए ये निर्णय लिया है। चारधाम यात्रा 2026 की तैयारी को लेकर शनिवार को चारधाम यात्रा ट्रांजिट कैंप में गढ़वाल आयुक्त विनय शंकर पांडेय की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक हुई। बैठक में रील और ब्लॉग बनाने के नाम पर धार्मिक स्थलों में बढ़ते विवादों को देखते हुए इस साल बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के भीतर मोबाइल फोन ले जाने पर रोक लगाने का फैसला लिया गया है। प्रशासन का मानना है कि इस फैसले से न सिर्फ अनावश्यक विवादों पर लगाम लगेगी, बल्कि श्रद्धालु भी पूरी श्रद्धा और एकाग्रता के साथ दर्शन कर सकेंगे। सरकार ने फैसला लिया है कि बदरीनाथ में सिंहद्वार से आगे मोबाइल पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा।वहीं केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धाम परिसरों में भी श्रद्धालु मोबाइल फोन नहीं ले जा सकेंगे। प्रशासन का कहना है कि बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति और संबंधित जिला प्रशासन धामों से पहले श्रद्धालुओं के मोबाइल सुरक्षित रखने के लिए उचित व्यवस्था करेगा।

क्या अंग्रेजी दवाईयां आपका रोग ठीक करने में नाकाम हैं तो मिलें-

विजय आयुर्वेद क्लीनिक

पंचकर्म सेन्टर

निम्न रोगों के इलाज में 16 वर्षों का अनुभवः-

पार्किंसन्स, अल्जाइमर, मानसिक विकार, निःसन्तान स्त्री-पुरूष की सभी चिकित्सायें, ट्यूब ब्लॉक, सिस्ट, कीटाणु की कमी आदि। डिस्क प्रोलेप्स सर्वाइकल, गठिया, घुटने का दर्द, किडनी रोग (डायलिसिस से पहले) लीवर सिरोसिस, हैपेटाइटिस B&C, Fatty Liver प्रोस्टेट रोग

असाध्य एवं लाइलाज रोगियों की चिकित्सा शुद्ध आयुर्वेदिक पद्धति द्वारा की जाती है।

DR. VIJAY PRAKASH MISHRA
M.D. (Ayurveda)
Mob.: 9410897970

DR. ASHWINI MISHRA
M.D. (Ayurveda)
स्त्री एवं त्वचा रोग

मिलने का समय : प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक (शुक्रवार अवकाश)

होटल राजश्री के सामने, गली नं० 2, डॉक्टर्स कालोनी
डी 1 डी 2 सिविल लाईन, रुद्रपुर (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखंड

गुमशुदा नाबालिग यूपी में किशोर के पास बरामद

रुद्रपुर। करीब एक पखवाड़ा पूर्व ट्रांजिट कैम्प क्षेत्र से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हुई किशोरी को पुलिस ने यूपी के पीलीभीत से किशोर के पास से बरामद कर किशोर को अपने संरक्षण में ले लिया। ट्रांजिट कैम्प कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मोहन चन्द्र पाण्डे ने बताया कि ट्रांजिट कैम्प पुलिस टीम द्वारा नाबालिक किशोरी को बरामद किया गया है और अभियुक्त को संरक्षण में लिया गया है। उन्होंने बताया 11जनवरी क्षेत्र निवासी व्यक्ति के द्वारा अपनी नाबालिक पुत्री के 01जनवरी को गुम हो जाने के सम्बन्ध मे कोतवाली मे रपट दर्ज करायी गयी। जिस पर कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम ने उक्त नाबालिक गुमशुदा को ग्राम भौनी अमरिया पीलीभीत मय बाल अपचारी किशोर के पास से बरामद किया गया और बाल अपचारी किशोर संरक्षण में लिया गया। उन्होंने बताया बाल अपचारी के विरुद्ध किशोर न्याय अधिनीयम के अन्तर्गत कार्यवाही की जायेगी। गिरफ्तार करने वाले पुलिस अधिकारी उप निरीक्षक पंकज सिंह महर व हे0का0 अनिल कुमार हैं।

पेज एक का शेष...

धर्मनगरी में उमड़ा...के कारण भीड़ कुछ कम रही, लेकिन जैसे-जैसे दिन चढ़ा और धूप खिली, वैसे-वैसे श्रद्धालुओं की संख्या में भारी इजाफा होता गया। दिन भर हर की पैड़ी और आसपास के घाट 'हर-हर गंगे' के जयकारों से गूंजते रहे। अमावस्या होने के कारण हरिद्वार के प्रसिद्ध नारायणी शिला मंदिर में भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मौनी अमावस्या पर पितरों के निमित्त तर्पण, पिंडदान और पूजन करने से पूर्वजों को शांति मिलती है और परिवार पर उनका आशीर्वाद बना रहता है। यही कारण रहा कि देश के कोने-कोने से आए लोगों ने मंदिर परिसर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और दान-पुण्य कर पितृ दोष से मुक्ति की कामना की। प्रशासन की मुस्तैदी के चलते स्नान पर्व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

उत्तराखंड बना ...स्टार्टअप्स और अधिकारियों के सामूहिक प्रयास का परिणाम है।उल्लेखनीय है कि उत्तराखंड में युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए धामी सरकार स्टार्टअप नीतियों के तहत अनेक प्रकार के प्रोत्साहन देती चली आ रही है। सरकार की तरफ से युवाओं को ऋण भी उपलब्ध कराया जाता है। जिसमें सब्सिडी का भी प्रावधान है। इससे युवाओं को तरह-तरह के रोजगार शुरू करने में अच्छी खासी सहायता भी मिलती है। सरकार के इस ऋण और सब्सिडी वाले प्रोत्साहन का लाभ लेकर प्रदेश के कई युवाओं ने अपने गांव में ही स्टार्टअप शुरू किया है और इसके माध्यम से युवा पयालन पर रोक के साथ ही अन्य ग्रामीणों को भी रोजगार दे रहे हैं। पीएम मोदी भी ऐसे युवाओं से 'मन की बात' कार्यक्रम के तहत संवाद कर कई बार उनका मनोबल बढ़ा चुके हैं।

अनियंत्रित कार खाई....सैनी मूल रूप से उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के रोहा ब्लॉक स्थित घसौली गांव के निवासी थे। उनके निधन की खबर मिलते ही गांव में मातम छा गया है। शुभम सैनी की पारिवारिक पृष्ठभूमि भी सैन्य सेवा से जुड़ी रही है। शुभम के पिता सत्येन्द्र सैनी भी सेना में सूबेदार पद से सेवानिवृत्त हुए थे। उन्होंने बताया कि शुभम बचपन से ही सेना में जाने का जुनून रखते थे। आर्मी स्कूल से 12वीं करने के बाद वर्ष 2015 में उनका चयन एनडीए में हुआ था। पुणे में तीन साल की ट्रेनिंग के बाद 2019 में वह पासिंग आउट हुए और लेफ्टिनेंट के पद पर पहली नियुक्ति पंजाब के बठिंडा में मिली। वर्तमान में वह प्रमोशन पाकर मेजर के पद पर चकराता में अपनी दूसरी पोस्टिंग पर थे। पिता ने रुंधे गले से बताया कि हादसे वाले दिन दोपहर में ही उनकी बेटे से बात हुई थी। शुभम अभी अविवाहित थे। मेजर शुभम सैनी का अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव घसौली में सैन्य सम्मान के साथ किया जाएगा।

बाघ का खुनी...सुरक्षा की दृष्टि से शनिवार रात को अभियान रोकना पड़ा। रविवार तड़के वन विभाग की टीम ने हवाई फायरिंग और बम पटाखों के साथ दोबारा जंगल में प्रवेश किया। करीब दो किलोमीटर अंदर सघन तलाशी के दौरान टीम को व्यक्ति का क्षत-विक्षत और अधखाया शव बरामद हुआ। बाघ ने व्यक्ति के शरीर के अधिकांश हिस्से को खा लिया था, मौके से केवल सिर ही बरामद हो सका। रामनगर वन प्रभाग के एसडीओ अंकित बडोला ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि मृतक की फिलहाल शिनाख्त नहीं हो पाई है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतक की पहचान सुनिश्चित करने के लिए डीएनए सैंपलिंग भी कराई जाएगी। एसडीओ ने बताया कि क्षेत्र में बाघ की सक्रियता को देखते हुए अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है और गश्त बढ़ा दी गई है। साथ ही आसपास के गांवों में मुनादी कराकर लोगों को अकेले जंगल की ओर न जाने की कड़ी हिदायत दी गई है। गौरतलब है कि रामनगर वन प्रभाग और कॉर्बेट के आसपास के क्षेत्रों में मानव-वन्यजीव संघर्ष चरम पर पहुंच गया है। बीते एक महीने के भीतर बाघ के हमले में यह चौथी मौत है। लगातार हो रही इन घटनाओं से स्थानीय ग्रामीणों में वन विभाग के खिलाफ भारी आक्रोश है। ग्रामीणों का कहना है कि विभाग बाघों को पकड़ने में नाकाम साबित हो रहा है, जिससे लोग अपने घरों से बाहर निकलने में भी डर रहे हैं। वन विभाग के लिए आदमखोर होते बाघों को नियंत्रित करना अब एक बड़ी चुनौती बन गया है।

संगठन की मजबूती...श्री गोदियाल ने कहा कि भाजपा सरकार में अपराधी व माफिया तत्वों को पूरा संरक्षण दिया जा रहा है। कार्यकर्ता इसके खिलाफ जोरदार आवाज उठायें। इससे पूर्व श्री गोदियाल का श्री बेहड़ के आवास पहुंचने पर श्री बेहड़ के परिजनों सहित उपस्थित पार्टी के तमाम जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने जयघोषों के साथ माल्यार्पण कर जोरदार स्वागत किया। इस मौके पर बीना बेहड़, गौरव बेहड़, सौरव बेहड़, सुभाष बेहड़, ममता हालदार, इन्द्रजीत सिंह, मोहन खेड़ा, संजय जुनेजा, सरवरयार खान, मोनिका ढ़ाली, प्रेमानन्द महाजन, गौरव खुराना, परवेज कुरैशी, राजेन्द्र मिश्रा, शिशुपाल सिंह, विजय यादव, सोनू चौहान,राजेश प्रताप, केदार पलड़िया, बबलू चौधरी, नितिन शर्मा, सुनीता कश्यप, रामकिशन साहनी, जनार्दन सिंह, सोफिया नाज, अनुराधा जोशी सहित पार्टी के कई जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद थे।

फाइनेंस कंपनी के सीईओ के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के निर्देश

हल्द्वानी ।कुसुम खेड़ा निवासी एक व्यक्ति ने मंडलायुक्त से जीएमएफएक्स ग्लोबल लिमिटेड के सीईओ द्वारा धोखाधड़ी करने एवम् पैसा वापस न करने की शिकायत की। जिस पर मंडलायुक्त ने कंपनी के सीईओ को कार्यालय में बुलाया लेकिन सीईओ द्वारा संतोषजनक जवाब न देने पर मंडलायुक्त में प्रशासनिक अमले के सतलोक कॉलोनी फैज-6 नियर रणवीर गार्डन पहुंचे। मंडलायुक्त ने कंपनी कार्यालय पहुंचकर कंपनी के डॉक्यूमेंट, कंपनी द्वारा की गई ट्रांजेक्शन, बैलेंस शीट आदि मांगी परन्तु सीईओ बिमल रावत किसी भी प्रकार के डॉक्यूमेंट नहीं दिखा पाए और कंपनी के पोर्टल पर ऑनलाइन डेटा भी नहीं दिखा पाएं। इस दौरान 10-11 अन्य व्यक्ति भी अपनी धनराशि लेने

के लिए पहुंचे और मंडलायुक्त से अपनी धनराशि दिलाने हेतु कार्यवाही की मांग की। कंपनी के नाम पर निवेश करने के स्थान पर व्यक्तिगत रूप से दो स्थानों पर जमीन खरीद की बात सीईओ बिमल रावत द्वारा कबूल की गई है। और 3900 व्यक्ति की देनदारी भी कंपनी के ऊपर बताई गई। कंपनी के आईडीएफसी बैंक अकाउंट में 42455 रुपए तथा एचडीएफसी बैंक अकाउंट में लगभग 50 हजार रुपए की धनराशि जमा मिली। जबकि 25 माह में पैसा डबल करने के नाम पर 8 हजार लोगों से 39 करोड़ रुपए जमा किए गए, इसके साथ ही मिडिएटर्स को भी इंसेंटिव की सुविधा कंपनी द्वारा दी जा रही थी। मंडलायुक्त ने मल्टीलेवल मार्केटिंग या पिरामिड स्कीम्स, कंपनी एक्ट के उल्लंघन, कंपनी के स्थान पर पर्सनल एसेट्स बनाने के साथ ही पीड़ित व्यक्तियों की शिकायतों के आधार पर तत्काल मुकदमा दर्ज करने के निर्देश दिए। इस दौरान सिटी मजिस्ट्रेट गोपाल चौहान, वित्त नियंत्रक सूर्य प्रताप सिंह सहित निवेशक, आदि उपस्थित थे।

महेंद्र भट्ट का कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने काले झंडे दिखाकर किया विरोध

चमोली। सांसद चौंपियनशिप ट्रॉफी के अंतर्गत खेल प्रतियोगिताओं का शुभारंभ करने गोपेश्वर खेल मैदान में पहुंचे राज्य सभा सांसद व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट का कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने काले झंडे दिखाकर विरोध किया। उन्होंने अंकिता भंडारी को न्याय दिलाने की मांग उठाई। विरोध प्रदर्शन में उक्रांद कार्यकर्ता भी शामिल रहे। वहीं, कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रोका तो कार्यकर्ताओं की झड़प हो गई। लोनिवि के आवास गृह से महेंद्र भट्ट का काफिला खेल मैदान के लिए निकला तो पीजी कॉलेज के पास पहले से मौजूद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनके काफिले को काले झंडे दिखाए और महेंद्र भट्ट गो बेक के नारे लगाए। इस मौके पर कांग्रेस प्रवक्त संदीप झिंक्वाण, धीरेंद्र गरोड़िया, एनएसयूआई के जिलाध्यक्ष सूर्य प्रकाश पुरोहित, नगर अध्यक्ष योगेंद्र सिंह बिष्ट, महेंद्र नेगी के अलावा कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा

स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर (उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित

सम्पादक- परमपाल सुखीजा

आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।

E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in

फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

तीन दिवसीय दंगल में विजयी सुहेल और अवतार सिंह को ट्रॉफी और नगद धनराशि देकर किया सम्मानित

गदरपुर । मरहूम हाजी छोटे पहलवान की स्मृति में उनके पुत्र समाज सेवी मोहम्मद आलम द्वारा आयोजित करवाए जा रहे तीन दिवसीय कुश्ती/दंगल का समापन रोमांचक फाइनल मुकाबले के साथ हुआ । रविवार बाजार के मैदान में तीसरे दिन खेले गए फाइनल में उत्तराखंड के घोसीपुरा पट्टी निवासी सुहेल पहलवान ने चंदौसी के आलम पहलवान को पराजित कर ट्राफी अपने नाम की । दंगल देखने के लिए हजारों की संख्या में खेल प्रेमी पहुंचे थे कांग्रेस नेता समाजसेवी मोहम्मद आलम की ओर से अपने पिता मरहूम हाजी छोटे पहलवान की स्मृति में आयोजित इस दंगल में देश के विभिन्न राज्यों के नामी पहलवानों ने अपना दमखम दिखाया । तीसरे दिन पहला मुकाबला रामपुर पुलिस में तैनात सिपाही फूल बाबू और गोरखपुर के पहलवान भोले के बीच हुआ जिसमें फूल बाबू विजयी रहे, दूसरे मुकाबले में काशीपुर के अवतार सिंह ने हापुड़ के बाबर पहलवान को शिकस्त दी ।तीसरे मुकाबले में पंजाब के मलेरकोटला निवासी मौसम अली ने महाराष्ट्र के कोल्हापुर के टाइगर पहलवान को हराया ।फाइनल मुकाबले में घोसीपुरा पट्टी के सोहेल पहलवान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चंदौसी के आलम पहलवान को मात दी। विजेता सोहेल को ट्रॉफी के साथ 21000 रुपए का नगद पुरस्कार दिया गया जबकि काशीपुर के अवतार सिंह को भी ट्रॉफी और नगद पुरस्कार से सम्मानित किया गया । संचालन सचिन गुप्ता और ज्ञानी पहलवान द्वारा किया गया वहां पालिकाध्यक्ष मनोज गुंब ,मोहम्मद आलम एडवोकेट मोहम्मद मिराज, नैब सिंह धालीवाल, संजय चौधरी सहित तमाम लोग मोजूद रहे।

बेहड़ के प्रयासों से किच्छा की दो सड़कों के लिए 1.54 करोड़ मंजूर

किच्छा (उद संवाददाता)। विधानसभा क्षेत्र किच्छा में विकास कार्यों को गति देते हुए विधायक तिलक राज बेहड़ ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। विधायक के निरंतर प्रयासों के चलते राज्य योजना के अंतर्गत क्षेत्र की दो महत्वपूर्ण सड़कों के निर्माण के लिए शासन द्वारा 1 करोड़ 54 लाख रुपए की वित्तीय स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। इन सड़कों के निर्माण से ग्रामीण इलाकों में आवागमन सुगम होगा और लंबे समय से चली आ रही राहगीरों की समस्या का समाधान होगा। विधायक तिलक राज बेहड़ ने बताया कि स्वीकृत बजट के तहत ग्राम तुर्कागौरी की विभिन्न आंतरिक सड़कों का निर्माण सीसी इंटरलॉकिंग टाइल्स के माध्यम से कराया जाएगा। लगभग एक किलोमीटर लंबी इन सड़कों के लिए 78.81 लाख रुपए की धनराशि मंजूर हुई है। वहीं दूसरी ओर ग्राम मलसी में मंदिर से मंगल दल तक करीब 700 मीटर लंबी सड़क का निर्माण सीमेंट कंक्रीट ब्लॉक पेवमेंट विधि से किया जाएगा, जिसकी लागत 75.40 लाख रुपए निर्धारित की गई है। इन दोनों ही परियोजनाओं को राज्य योजना के तहत मंजूरी मिल चुकी है और जल्द ही धरातल पर निर्माण कार्य शुरू करा दिया जाएगा।विकास कार्यों पर खुशी जाहिर करते हुए तिलक राज बेहड़ ने कहा कि इन सड़कों के बनने से क्षेत्रवासियों को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी और ग्रामीण विकास को नई रफ्तार प्राप्त होगी। उन्होंने दोहराया कि किच्छा विधानसभा का सर्वांगीण विकास उनकी प्राथमिकता है और इसके लिए वह लगातार प्रयास कर रहे हैं। सड़कों की इस महत्वपूर्ण सौगात के लिए विधायक बेहड़ ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया है।

महापौर ने किया 'बास्केट्स एंड बियोंड' का शुभारंभ

रुद्रपुर । महापौर विकास शर्मा ने महानगर की आदर्श कॉलोनी में व्यवसायी वंश गुलाटी के नए प्रतिष्ठान "बास्केट्स एंड वियोंड" का मुख्य अतिथि के रूप में विधिवत फीता काटकर उदघाटन किया। उन्होंने प्रतिष्ठान को नये प्रतिष्ठान की शुभकामनाएं दी और उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर महापौर विकास शर्मा ने कहा कि रुद्रपुर तेजी से एक व्यापारिक हब के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा शहर में अंतरराष्ट्रीय स्तर के उत्पादों वाले नए-नए प्रतिष्ठानों का खुलना इस बात का प्रमाण है कि रुद्रपुर आर्थिक और व्यावसायिक दृष्टि से निरंतर प्रगति कर रहा है। उन्होंने युवा उद्यमी वंश गुलाटी के साहस और विजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे स्टार्टअप और शोरूम से न केवल स्थानीय लोगों को बेहतर सुविधाएं मिलती हैं, बल्कि रोजगार के अवसर भी सृजित होते हैं।महापौर ने वंश गुलाटी को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की

कामना की। उन्होंने विश्वास जताया कि बास्केट्स एंड बियोंड अपनी गुणवत्ता और सेवा के बल पर बहुत जल्द ग्राहकों के बीच अपनी विशिष्ट पहचान बनाने में सफल होगा।इस अवसर पर मुख्य रूप से भाजपा मंडल अध्यक्ष सुनील ठुकराल, दीपक गुलाटी और पार्षद चिराग कालरा नरेश गुलाटी, नितीश धीर, केतन बांगा, गर्वित मुंजाल, राकेश गुलाटी, चंदन गुलाटी, पंकज गुलाटी, सुधीर ग्रोवर, वैभव ग्रोवर, ध्रुव गुलाटी, आयुष तनेजा, भाव्या गुलाटी और सार्थक शर्मा सहित कई गणमान्य लोग एवं स्थानीय निवासी मौजूद रहे।

फिल्मिंग इनसाइड क्रिएटिव स्टूडियो का ठुकराल ने किया उद्घाटन

रूद्रपुर । शहर की सिंह कॉलोनी में नए व्यापारिक प्रतिष्ठान फिल्मिंग इनसाइड क्रिएटिव स्टूडियो एजेंसी का शुभारंभ हो गया है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल और अनिल चौहान ने संयुक्त रूप से फीता काटकर प्रतिष्ठान का विधिवत उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने स्टूडियो की कार्यप्रणाली की जानकारी ली और आधुनिक सुविधाओं की सराहना की। उद्घाटन के अवसर पर राजकुमार ठुकराल ने प्रतिष्ठान स्वामी को नई शुरुआत के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि आज के डिजिटल युग में क्रिएटिव स्टूडियो और प्रोफेशनल

एजेंसियों की भूमिका महत्वपूर्ण हो गई है। इस तरह के प्रतिष्ठान खुलने से स्थानीय युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने और व्यावसायिक कार्यों के लिए बेहतर मंच उपलब्ध होगा। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह स्टूडियो अपनी गुणवत्तापूर्ण सेवाओं के माध्यम से शहर में एक अलग पहचान बनाएगा। इस अवसर पर पार्षद सुशील चौहान, संजय ठुकराल, अजय नारायण सिंह, रोहित खुराना, मंगत सिंह खुराना, किशन खुराना, अजय चौहान, सन्नी कक्कड़, फुदेना साहनी, नरेश सागर, जगजीत छाबड़ा, राजकुमार खुराना, विजय चौधरी, अशोक खुराना, हरविंदर सिंह, जितेन्द्र खुराना समेत तमाम गणमान्य लोग और क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

राजनीतिक स्वार्थ के चलते माहौल बिगाड़ने की कर रहे कोशिश-पाण्डे

बाजपुर। जमीन विवाद के मामले में लगातार बढ़ रहे आरोपों के बीच गदरपुर विधायक अरविंद पांडेय ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कुछ लोग राजनीतिक स्वार्थ के चलते माहौल बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि "सिस्टम जिसके हाथ में है, उसे अपने राजनीतिक फायदे के लिए लोगों के बीच दुश्मनी नहीं बढ़ानी चाहिए। यदि किसी अधिकारी या व्यक्ति ने कोई गलत कार्य किया है तो सरकार को कार्रवाई करनी चाहिए, लेकिन बिना वजह किसी को बदनाम करने की अनुमति नहीं होनी चाहिए। विधायक पांडेय ने कहा कि भूमि विवाद जैसे संवेदनशील मामलों में लोगों को कानून पर भरोसा रखना चाहिए और किसी भी तरह की गलतफहमी से बचना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि विरोधी धड़ा उनके राजनीतिक छवि को नुकसान पहुंचाने के लिए निराधार आरोपों

का सहारा ले रहा है, जबकि जमीन से जुड़े मामलों की जांच का अधिकार प्रशासन के पास है और वही तथ्यात्मक रिपोर्ट के आधार पर निर्णय लेगा। उन्होंने यह भी कहा कि विपक्षी तत्व सोशल मीडिया और जनभावनाओं को भड़काकर सस्ती लोकप्रियता हासिल करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने प्रशासन से अनुरोध किया कि ऐसे मामलों में निष्पक्ष जांच कर वास्तविक सच्चाई जनता के सामने लाई जाए, ताकि बेवजह फैलाए जा रहे भ्रम पर रोक लग सके। विधायक पांडेय ने दोहराया कि कानून से ऊपर कोई नहीं है और यदि किसी स्तर पर गड़बड़ी पाई जाती है तो वह स्वयं भी कार्रवाई के पक्ष में खड़े होंगे। उन्होंने कहा कि राजनीति का उद्देश्य समाज में सौहार्द बढ़ाना होना चाहिए, न कि नफरत फैलाना।

विधायक पर दो और लोगों ने जमीन हड़पने का आरोप

बाजपुर। जिले में जमीन विवाद का मामला फिर गर्मा गया है। गदरपुर विधायक अरविंद पांडेय के खिलाफ दो और लोगों ने उनकी जमीन हड़पने तथा दबाव बनाकर कब्जा कराने का गंभीर आरोप लगाते हुए एसडीएम को शिकायती पत्र सौंपा।बहादुरगंज निवासी संजय बंसल जो लंबे समय से भाजपा से जुड़े हुए हैं, ने एसडीएम कार्यालय पहुंचकर बताया कि उनके गांव मुंडिया पिस्तौर में उनकी जमीन (खसरा संख्या 447/6) पर विधायक के रिश्तेदारों द्वारा कब्जे की कोशिश की जा रही है। शिकायत में उल्लेख किया गया कि 21 जुलाई 2025 को रजिस्ट्रार कार्यालय में जो दस्तावेज प्रस्तुत किए गए, वह जालसाजी से तैयार प्रतीत होते हैं। कई बार जमीन लेने के प्रयास और दबाव बनाए जाने की वजह से पीड़ित ने एसडीएम व कोतवाल से निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की। इसी दौरान पीड़ित मयंक गोयल ने भी एसडीएम को शिकायती पत्र सौंपते हुए बताया कि उनकी जमीन को लेकर भी इसी तरह धोखाधड़ी और कब्जे की कोशिश की जा रही है। आरोप है कि उनसे मनचाहा दबाव बनाने के लिए धमकाने तक की कोशिश की गई। पीड़ितों ने एसडीएम कार्यालय में करीब दस मिनट तक प्रतीकात्मक धरना भी दिया। एसडीएम डॉ. अमृता शर्मा ने बताया कि दोनों मामलों में शिकायत प्राप्त हुई है और राजस्व विभाग की टीम को जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। दोषी पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।